दैनिक

# सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 274/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 16 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

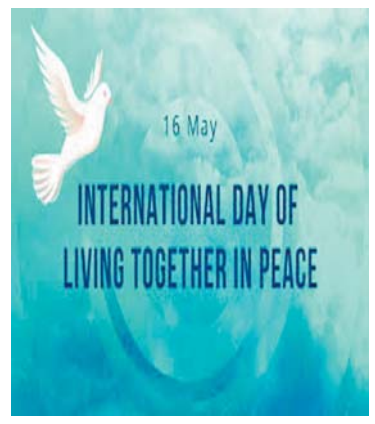

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने झारखंड की हजारीबाग लोकसभा के बरही में पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

## कपिल शर्मा नहीं अब जाकिर खान करेंगे कॉमेडी शो?

**नई दिल्ली।** टीवी पर आज भी लोगों का फेवरेट शो कपिल शर्मा शो है. इस शो के जरिए कपिल लोगो को खूब हंसाते हैं शायद यही कारण हैं कि ये अब तक लोगों का फेवरेट शो बना हुआ है. लेकिन अब ये शो बंद होने वाला है. ऐसे में फैंस काफी परेशान हैं लेकिन अब हम आपको टेंशन लेने की जरुरत नहीं हैं क्योंकि आपका एंटरटेनमेंट रुकने वाला नहीं है. क्योंकि कपिल के बाद अब जाकिर खान आपका मनोरंजन करने के लिए आ रहे हैं। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना, जाकिर खान अपना कॉमेडी शो लेकर आने वाले हैं जिसको सुनकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. कपिल शर्मा शो की जगह पहले 'मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे' आया था लेकिन ये शो फैंस का कुछ खास दिल नहीं जीत पाया और अब ये शो बंद होने वाला है।

## सपा-कांग्रेस दो दल, एक दुकान, ये झूठ, परिवारवाद-भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं : मोदी



आजमगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजमगढ़ में गुरुवार को चुनावी रैली में कहा- सपा-कांग्रेस दो दल, लेकिन दुकान एक ही है। ये झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं। इंडी गठबंधन तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह धंस चुकी है।

पीएम ने कहा, सपा के शीर्ष नेता राम मंदिर को लेकर आए दिन घटिया बातें कर रहे हैं। अखिलेश यादव अपने आपको यदुवंशी कहते हैं। अरे तुम कैसे यदुवंशी हो यार, जिसके साथ बैठते हो उसने राम मंदिर को गालियां देने का मिशन चला रखा है। सीएए पर पीएम मोदी ने कहा- ये मोदी की गारंटी का कानून है। आपने देखा कल ही सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी गई। उन्होंने कहा- आपने सपा के गुंडाराज के पुराने दिन देखे हैं। बाजार शाम 7 बजे बंद हो जाते थे। माताएं-बहनें बाहर नहीं निकल पाती थीं, लेकिन आज भाजपा सरकार में इन सारे संकटों से बाहर है। मेरा स्वच्छता अभियान सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में बराबर चलाया है।

**मोदी ने कहा-** 10 साल पहले एक सामान्य व्यक्ति की सुरक्षा भगवान भरोसे होती थी। देश में कहीं भी धमाके होते थे, तो लोगों का ध्यान आजमगढ़ की ओर जाता था। तब सपा के शहजादे आतंक के समर्थन में आतंकियों का सम्मान करते थे, दंगे करने वाले आतंकियों को छोड़ा जाता था।

**मोदी ने कहा-** अखिलेश यादव अपने आपको यदुवंशी कहते हैं। अरे तुम कैसे यदुवंशी हो यार, जिसके साथ बैठते हो उसने राम मंदिर को गालियां देने का मिशन चला रखा है। शहजादे ने राम मंदिर को गालियां देने का मिशन चलाया

इंडी गठबंधन तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह धंस चुकी है। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेता राम मंदिर को लेकर आए दिन घटिया बातें कर रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे ने तो राम मंदिर को गालियां देने का मिशन ही चला रखा है।

### मोदी ने 370 की दीवार गिराई

मोदी ने कश्मीर में शांति की गारंटी दी थी। मोदी ने 370 की दीवार गिराई। पहले चुनाव आते थे, तो हड़तालें होती थीं, आतंकी धमकी देते थे, लेकिन इस बार श्रीनगर में पिछले अनेक चुनावों के रिकॉर्ड टूट गए।

## राजमाता माधवी राजे के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

**ग्वालियर।** पूर्व केंद्रीय मंत्री माधव राव सिंधिया की पत्नी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे का बुधवार को निधन हो गया। वे 76 वर्ष की थीं। उनकी पार्थिव देह दिल्ली से ग्वालियर एयरपोर्ट लाई गई। यहां एम्बुलेंस से रानी महल ले जाया गया। पार्थिव देह दोपहर तीन बजे तक रानी महल में अंतिम दर्शन के लिए रखी जाएगी। शाम 5 बजे सिंधिया छत्री पर उनका राजसी परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तीन राज्यों के मुख्यमंत्री समेत प्रदेश के कई मंत्री और नेता अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। रात तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा का आना तय हो गया था। साथ ही नेपाल, बड़ोदरा और जम्मू के राजघराने के सदस्य भी ग्वालियर पहुंचेंगे।

राजमाता माधवी राजे सिंधिया के अंतिम संस्कार में ग्वालियर-चंबल अंचल के आठ जिलों ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, अशोकनगर, गुना से हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं। इनके लिए अलग-अलग पार्किंग व आने के रास्ते निर्धारित किए गए हैं। इसे ध्यान में रखकर पुलिस ने इंतजाम किए हैं।

### छत्री में सभी के लिए अलग बैठने का इंतजाम

सिंधिया छत्री परिसर में हर वर्ग के खड़े होने और बैठने के लिए अलग व्यवस्था है। जहां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का अंतिम संस्कार होगा, वहां एक ओर आम लोगों के खड़े होने के लिए व्यवस्था रहेगी, जबकि दूसरी ओर ड्ड्ड्ढक्कऔर उसके पास में दायीं तरफ वीआईपी बैठेंगे। इनके आने के लिए अलग-अलग गेट निर्धारित किए गए हैं। सामने की ओर शाही घरानों से आने वाले सदस्य रहेंगे।

### रानी महल गेट, जीवाजी क्लब के सामने से निकलेगी अंतिम यात्रा

राजमाता माधवी राजे की अंतिम यात्रा रानी महल गेट यानी जीवाजी क्लब के सामने महल के दरवाजे से निकाली जाएगी। यात्रा में शामिल परिवार व वीआईपी वाहनों में सवार होकर निकलेंगे। इसी दरवाजे से राजमाता विजयाराजे सिंधिया की पार्थिव देह की अंतिम यात्रा के लिए निकाला गया था। यहां से अचलेश्वर चौराहा, कटोराताल रोड होते हुए छत्री परिसर के गेट नंबर तीन से अंदर प्रवेश करेगी। इसी दरवाजे से आम लोगों को भी एंट्री दी जाएगी, लेकिन जब अंतिम यात्रा यहां पहुंचेगी, तो आम लोगों का प्रवेश कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाएगा।



### मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

## मामला स्पेशल कोर्ट में आया तो ईडी आरोपी को अरेस्ट नहीं कर सकती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर स्पेशल कोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग का केस पहुंच गया है, तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आरोपी को पीएमएलए के सेक्शन 19 के तहत गिरफ्तार नहीं कर सकती।



जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने यह आदेश पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले पर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट ने आरोपियों की प्री-अरेस्ट बेल याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस साल जनवरी में आरोपियों को अंतरिम जमानत दी थी। यह केस जमीन घोटाले से जुड़ा है, जिसमें कुछ रेवेन्यू अफसरों को मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आरोपी बनाया गया था।

बेंच ने कहा कि अदालत के समन के बाद अगर आरोपी पेश हुआ है तो यह नहीं माना जा सकता कि वो गिरफ्तार है। एजेंसी को संबंधित अदालत में कस्टडी के लिए अप्लाई करना होगा।

ईडी की गिरफ्तारी पर कोर्ट ने 3 टिप्पणियां की हैं-मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी अगर कोर्ट के समन के बाद पेश होता है तो उसे जमानत की अर्जी देने की जरूरत नहीं है। ऐसे में पीएमएलए के सेक्शन 45 के तहत जमानत की शर्तें भी लागू नहीं हैं। कोर्ट समन के बाद अगर आरोपी पेश होता है तो उसकी रिमांड के लिए ईडी को स्पेशल कोर्ट में एप्लिकेशन देनी होगी। कोर्ट तभी एजेंसी को कस्टडी देगी, जब वह संतुष्ट हो जाएगी कि कस्टडी में पूछताछ जरूरी है।

मनी लॉन्ड्रिंग के तहत आरोपी अगर जमानत के लिए अपील करता है तो उसके लिए शर्त है। कोर्ट सरकारी वकील की दलीलें सुनेगी और जब वह संतुष्ट हो जाएगी कि व्यक्ति गुनहगार नहीं है और वह बाहर जाकर इसी तरह का कोई जुर्म नहीं करेगा, तब जमानत दी जा सकती है। नवंबर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए के सेक्शन 45(1) को अवैध करा दिया था, क्योंकि इसमें मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी को जमानत के लिए 2 अतिरिक्त शर्तें थीं। केंद्र सरकार ने पीएमएलए एक्ट में संशोधन कर इन प्रावधानों को बरकरार रखा था।

## लखनऊ में केजरीवाल बोले- योगी का सीएम पद से हटना तय

लखनऊ। लखनऊ में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर सीएम योगी को पद से हटाए जाने का दावा किया। सपा प्रमुख अखिलेश के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा- मैंने दिल्ली में जो कहा था उस पर किसी भी भाजपा नेता की टिप्पणी नहीं आई। योगी का पद से हटना अब लगभग तय है।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदलसूकी के सवाल का केजरीवाल ने जवाब नहीं दिया। वह चुप हो गए। अखिलेश ने टालते हुए कहा कि इससे भी ज्यादा जरूरी और बड़े मुद्दे हैं। आप सांसद संजय सिंह ने कहा- पार्टी ने इस मामले पर रुख साफ कर दिया है। इस पर राजनीतिक खेल न खेला जाए।

केजरीवाल की कार में नजर आए बिभव कुमार गुरुवार को सपा कार्यालय में जब केजरीवाल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, उस वक्त उनकी कार में बिभव कुमार बैठे थे। स्वाति मालीवाल से मारपीट में बिभव का नाम चर्चा में आया था। करीब 45 मिनट केजरीवाल की प्रेस कॉन्फ्रेंस चली। लेकिन बिभव गाड़ी से बाहर नहीं निकले। कॉन्फ्रेंस खत्म होने के बाद केजरीवाल इसी गाड़ी से रवाना हो गए।

## एमपी पीएससी राज्य सेवा प्री 2023 के दो सवाल गलत थे, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

**इंदौर।** मप्र लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) मेन्स 2023 को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट ने बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश में इसके प्री के दो सवाल गलत माने हैं। इसके आधार पर राज्य वन सेवा परीक्षा 2023 की मेंस जो 30 जून को प्रस्तावित है उसकी प्री की मेरिट लिस्ट फिर से बनाने के आदेश दिए हैं। यानि फारेस्ट सर्विस का प्री का रिजल्ट फिर आएगा। उम्मीदवारों के अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने दो सवालों को कंसीडर किया है और पीएससी द्वारा मान्य जवाब को गलत मना है। इसका लाभ सभी उम्मीदवारों को देने की बात भी कही है। बाकी बात विस्तृत लिखित आर्डर से साफ होगी।

प्रेस की स्वतंत्रता वाले विलियम बैंटिंक के सवाल को हाईकोर्ट ने गलत माना और इसी तरह कबड्डी संघ के मुख्यालय के सवाल पर भी पीएससी के जवाब को गलत माना गया है। इन दो सवालों के आधार पर जबलपुर हाईकोर्ट ने अपने पूर्व के आदेश को हटाते हुए साफ कहा कि इन दो सवालों का लाभ केवल हाईकोर्ट आने वालों को नहीं बल्कि सभी प्रभावित उम्मीदवार कों मिलेगा। यानि यह सभी उम्मदीवार जो इन दो सवालों के कारण कटऑफ पर अटक गए थे, वह सभी इसका लाभ लेने वालों में आ सकते हैं। इसी आधार पर जस्टिस ने कहा कि वन सेवा क्योंकि नहीं हुई तो इसका प्री का रिजल्ट संशोधित किया जाए और इसी आधार पर मेंस हो। लेकिन राज्य सेवा मेंस 2023 हो चुकी है इसलिए इसके लिए अलग से आदेश नहीं हो सकते हैं लेकिन इन सवालों का लाभ लेन के सभी पात्र है जो एक पर लागू वह सभी पर भी होगा।

**अब स्पेशल मेंस के लिए जा सकते हैं उम्मीदवार**

इसका सबसे बड़ा असर होगा कि अब जो इन सवालों के कारण कटऑफ पर अटक गए थे, वह इसी आधार पर साल 2019 की तरह स्पेशल मेंस की मांग कर सकते हैं। क्योंकि तकनीकी रूप से जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश का इन्हें लाभ होगा और दो सवालों के कारण उनकें जो अंक बढ़ेंगे और जो कटऑफ के दायरे में आएगा उसका अधिकार बनता है कि वह पीएससी मेंस दे सके। लेकिन इसके लिए हाईकोर्ट ने अलग से आदेश नहीं दिया है यानि उम्मीदवारों को अपने अंक खुद ही एनालिस कर अलग से याचिका दायर करना होगी और स्पेशल मेंस की मांग करना होगी।

## खरगोन में कपास का बीज नहीं मिलने से नाराज किसानों ने हाईवे किया जाम

खरगोन( खरगोन में भुसावल चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर अनाज मंडी के सामने किसानों ने चक्काजाम कर दिया। वे कपास का बीज नहीं मिलने से नाराज थे। किसानों ने कहा कि अनाज मंडी से टोकन मिलने में देर हो रही है। इसके अलावा टोकन मिलने के 2 दिन बाद बीज मिल रहा है। हाईवे पर वाहनों की कतार लगने की सूचना मिलने पर एएसपी तरुणेंद्र बघेल, एसडीएम भास्कर गाचले पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाइश दी। सहायक संचालक, कृषि एमएल चौहान के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कराई गई। हालात सुधारने के आश्वासन के बाद चक्काजाम खत्म किया गया। करीब दो घंटे बाद यातायात सुचारू हो सका।

### संजय राउत बोले- 4 जून को पता चलेगा शिवसेना और एनसीपी कौन है

मुम्बई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा हमने शिवसेना अच्छे से संभाल ली है। 4 जून को पता चलेगा कि शिवसेना (उद्धव गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) कौन है और भाजपा कहां है। दरअसल, पीएम मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र के डिंडोरी में कहा था कि नकली शिवसेना (उद्धव ठाकरे), नकली राष्ट्रवादी पार्टी (शरद पवार) का कांग्रेस में विलय होना पक्का है। जब ऐसा होगा तो मुझे बाला साहेब ठाकरे की सबसे ज्यादा याद आएगी।

### भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने की संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी। सुनील छेत्री के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास के फैसले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्वीट किया है। बोर्ड ने लिखा, आपका करियर असाधारण से कम नहीं रहा है और आप भारतीय फुटबॉल और भारतीय खेलों के लिए एक अभूतपूर्व प्रतीक रहे हैं।

## अगले साल से साल में 2 बार होगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (ष्टक्चस्श्व) कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड रिजल्ट की घोषणा के बाद अगले एकेडमिक सेशन की तैयारियों में लग गया। हालांकि इस एकेडमिक सेशन की पढ़ाई बीते अप्रैल महीने से ही शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक, एजुकेशन मिनिस्ट्री ने बोर्ड को नए एकेडमिक सेशन 2025-26 से साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए लॉजिस्टिक्स डेवलप करने का निर्देश दिया है।

सेमेस्टर सिस्टम की शुरुआत को खारिज कर दिया गया। अगले महीने मिनिस्ट्री और सीबीएसई बोर्ड 2 बार परीक्षा आयोजित करने के संबंध में स्कूल प्रिंसिपलों से सलाह-मशविरा करेंगे। अभी बोर्ड अंडरग्रेजुएट एडमिशन शेड्यूल को बाधित किए बिना बोर्ड परीक्षाओं के एक अतिरिक्त सेट को जोड़ने के लिए एकेडमिक कैलेंडर की संरचना पर काम कर रहा है।

ये सभी बदलाव नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत किए जा रहे हैं। पिछले साल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि एकेडमिक सेशन 2025-26 से छात्रों को साल में दो बार बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने का मौका मिलेगा।

# काटजू अस्पताल में नसबंदी ऑपरेशन के दौरान विवाहिता की मौत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

टीटी नगर क्षेत्र के प्रतिष्ठित काटजू अस्पताल में एक नसबंदी ऑपरेशन के दौरान एक विवाहिता की असामयिक मृत्यु हो गई। 38 वर्षीय रीना, जो बागसेवनिया की निवासी थीं, उनकी मंगलवार को ऑपरेशन के समय अचानक स्वास्थ्य में गिरावट आई। रीना अपने पति अविनाश और परिवार के साथ डॉ. कैलाशनाथ काटजू शासकीय जिला चिकित्सालय गई थीं, जहाँ उन्हें नसबंदी के लिए भर्ती किया गया। दोपहर करीब 1 बजे उन्हें ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन शुरू किया।

ऑपरेशन के दौरान, उनकी स्थिति अचानक बिगड़ गई और डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद, रीना की जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद, टीटी नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। रीना के पति अविनाश को उनकी मौत की सूचना देर से दी गई। इस बीच, टीटी नगर पुलिस टीम ने मर्ग की कार्रवाई की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतका के पति ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी की मौत एनेस्थिसिया की अधिक मात्रा के कारण हुई।

इस घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुरक्षा और देखभाल के मानकों पर प्रश्न उठाए हैं, और स्थानीय समुदाय में चिंता की लहर दौड़ गई है। अधिकारियों से इस तरह की घटनाओं की रोकथाम और चिकित्सा प्रक्रियाओं में सुधार की मांग की जा रही है।

भोपाल। जनपद पंचायत फंदा ( ग्रामीण ) के जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत द्वारा दिनांक 15 मइ को शासकीय महाविद्यालय फंदा, भोपाल को कूलर प्रदान किया गया। जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने इस अवसर पर कहा कि इस भीषण गर्मी में समस्त छात्र - छात्राओं एवम शिक्षकों की सुविधा के लिए कार्य किया है। महाविद्यालय की ओर से प्रभारी प्राचार्य डॉ. इंदिरा दाँगी ने प्रमोद राजपूत का आभार व्यक्त किया।

## श्रीराम महायज्ञ एवं महारासलीला महामहोत्सव

**भोपाल।** श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर के संस्थापक श्री मंहत स्वामी नारायण दास त्यागी की पुण्य स्मृति में 2 से 16 जून 2024 तक पंच दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एंव वृंदावन की रासलीला का आयोजन किया जा रहा है। गुफा मंदिर के श्री मंहत रामप्रवेश दास महाराज के द्वारा परम सानिध्य महामंडलेश्वर डाकौर मंगल पीठाधीश्वर माध्वाचार्य महाराज का मंगल आगमन होगा। इस उपलक्ष्य में आज गुफा मंदिर धाम में मंहत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पं विष्णु राजौरिया, पं रमेश प्रसाद त्रिपाठी,कैलाश मिश्रा, श्याम मनोहर बाबा , विशाल अग्रवाल राजश्री, चंदर लालचंदानी, गिरीश पालीवाल, आदि नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## सीता नवमी के पावन पर्व पर सिया कल्चरल द्वारा सुंदरकांड का पाठ

**भोपाल।** सिया कल्चरल सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा गुरुवार 16 मई 2024 को श्री सीता नवमी के पावन पर्व पर सुंदरकांड के संगीतमय पाठ का आयोजन किया जाएगा। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर श्री सीता नवमी का महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन माता सीता धरती के गर्भ से प्रकट हुई थी। संस्था का नाम स्वयं माता सीता के नाम से प्रेरित है.संस्था द्वारा इस पावन पर्व पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन,15 कस्तूरी रॉयल पार्क कटारा हिल्स पर होगा। सिया कल्चरल सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विगत 5 वर्षों से नियमित हर सप्ताह सुंदरकांड पाठ का मंगलवार शनिवार को आयोजन किया जाता रहा है। इसके अलावा संस्था द्वारा धार्मिक महत्व की विशेष तिथियां पर जैसे नवरात्रि, हनुमान जयंती इत्यादि पर कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। कलयुग के देवता बजरंगबली को प्रसन्न करने के लिए सुंदरकांड सरल और सटीक माध्यम है। सुंदरकांड रामचरितमानस का पंचम अध्याय है जिसे गोस्वामी श्री तुलसीदास जी ने लिखा है। इसका नियमित रूप से पाठ करने से बुराइयों को दूर करने में मदद मिलती है एवं जीवन में सुख समृद्धि का वास होता है,सुंदरकांड पाठ के पश्चात श्री हनुमान चालीसा का पाठ एवं भजन संध्या होगी।

# सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित टफ क्रिकेट टूनामेंट का समापन

**भोपाल।** सिन्धी मेला समिति द्वारा राजधानी भोपाल में पहली बार आयोजित टर्फ क्रिकेट लीग 2024 का आयोजन क्लब 07, टर्फ एंड कैफे में 9 से 12 मई 2024 तक आयोजित किया गया। रविवार को इस आयोजन का अंतिम दिन बहुत ही रोमांचक रहा, 4 दिन तक चले इस आयोजन में 16 टीमों ने भाग लिया,जिसमें कुल 32 मैच खेले गये। इस टफ क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 की विजेता टीम रही सनी 07 रही, जिन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में 51000/ रू. की पुरस्कार राशि दी गई, इसके साथ ही उपविजेता हीट 07 रही इसमें श्लोक ग्वालानी की कप्तानी में 21000/ रू. की पुरस्कार राशि जीती, साथ ही आयोजन के अंतिम दिन पर चारों दिन के मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार दिए गए। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि पिछले 28 सालों से निरंतर सांस्कृतिक एवं पारिवारिक

कार्यक्रम करने के बाद पहली बार एक खेल आयोजन किया गया जो की। अंतिम दिन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी एवं पश्चिम दक्षिण के विधायक श्री भगवान दास सबनानी जी को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का संयोजन कपिल भाटिया, राम आसुदनी, जितेश दिनानी, जीतू आसवानी, रितेश भोजवानी ने अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा के नेतृत्व में किया। गौरतलब है कि सिन्धी मेला समिति द्वारा आयोजित इस क्रिकेट के महासंग्राम में लगभग 130 खिलाड़ियों ने खेला और सारे के सारे खिलाड़ी सिन्धी भाषी थे।

# गौ तस्करी रोकने एसपी एवं एसडीएम को दिया ज्ञापन, पशु मेले की जांच की मांग

**संत हिरदाराम नगर।** विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल संत हिरदाराम के द्वारा हुजूर एसडीएम और ग्रामीण देहात एसपी को आवेदन देकर गो तस्करी पर रोक लगाने की मांग की गई। उनसे कहा कि भोपाल जिले में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र से गौ तस्करी आए दिन होती है संगठन के द्वारा गाय के ट्रक पकड़े जाते हैं कृपया पुलिस उस पर लगाम लगाने हेतु उचित उपाय करे एवं भोपाल जिले में लगने वाले थाना इंटखेड़ी अंर्तगत अचारपूरा पर पशु मेले से गौ तस्करी होने की संभावना है, कुछ समय पूर्व भी बेरसिया में लगे मेले से सैकड़ो हजारों गौ पुत्र बछड़े सांड का क्रय विक्रय हुआ, थाना खजूरी अंतर्गत जिन्हें पकड़ा गया एवं कार्रवाई की गई थी, वर्तमान में अचारपुरा में इस प्रकार का मेला फिर लग रहा है जहां विशेष रूप से गौ पुत्र बछड़े सांड का क्रय विक्रय हो रहा है। बजरंग दल

ने आवेदन के माध्यम से यह मांग की है कि इस मेले की जांच की जाए कि इसमें बिकने वाले बछड़े कहां से लाए जाते हैं और कौन इन्हें खरीदता है और उनका क्या उपयोग होता है। बजरंग दल ने मांग की है कि इस प्रकार के मेले गौ तस्करी गौ वध को बढ़ावा दे रहे है इनकी जांच कर दोषी के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाए।

## बूरी हालत में मिली तीन मजिंला मकान में वृद्धा की छह दिन पुरानी लाश

**भोपाल।** गोविंदपुरा क्षेत्र के शांति निकेतन में स्थित एक तीन मंजिला आवास से पुलिस ने एक वृद्ध महिला का शव बरामद किया, जो कई दिनों से डिकंपोज हो चुका था। 62 वर्षीय उमा लांजेवाल, जिनके पति का निधन पहले ही हो चुका था और जिनकी बेटी विदेश में रहती है, अपने घर में अकेली रहती थीं। उनकी मानसिक स्थिति के चलते, वे अक्सर अपने घर का दरवाजा नहीं खोलती थीं।

उनके भाई लाखन सिंह राजपूत, जो अयोध्या नगर में रहते हैं, ने बताया कि वे नियमित रूप से उमा की खैरियत जानने के लिए उनसे मिलने जाते थे। हालांकि, जब वे उनसे मिलने गए और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उन्होंने पड़ोसियों से पूछताछ की और पता चला कि उमा को कई दिनों से देखा नहीं गया था। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया और उमा का शव बिस्तर पर पाया। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने शव को रिश्तेदारों को सौंप दिया है और जांच जारी है। इस घटना ने समुदाय में चिंता जताई है और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला है। यह भी एक अनुस्मारक है कि अकेले रह रहे वृद्ध जनों की देखभाल और सुरक्षा के लिए समुदाय को सजग रहना चाहिए।

## इंस्टाग्राम पर फ्रैंडशिप के बाद युवक ने किशोरी को होटल बुलाकर किया रेप

**भोपाल।** राजधानी में नाबालिग किशोरी के साथ उसके सोशल मीडिया फ्रैंड ने मिलने के बहाने होटल बुलाकर उसेअपनी हवस का शिकार बना डाला। इसके बाद आरोपी उस पर लगातार शारीरिक संबध बनाने का दबाव डालते हुए मारने की धमकी देने लगा। परेशान होकर नाबालिग ने आरोपी की करतूत परिवार वालो को बता दी। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब छह महीने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर करण चौहान नामक युवक से हुई थी। जल्द ही उनके बीच चेटिंग के बाद दोस्ती और फिर फोन पर बातचीत होने लगी। पहचान बढ़ने के बाद आरोपी करण चौहान ने उसे मिलने के लिए प्रभात चौराहा स्थित एक होटल में बुलाया। किशोरी जब उससे मिलने पहुंची तब करण ने उसकी मर्जी के खिलाफ जर्बदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। किशोरी के विरोध करने पर आरोपी ने उससे जल्द ही शादी करने का वादा कर चुप करा दिया। उसकी बातों मं आकर नाबालिग ने घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। आरोप है कि इसके बाद करण आये दिन उसका दैहिक शोषण करने लगा ओर बार-बार मिलने के लिये उसपर दबाव बनाने लगा था। तंग आकर किशोरी ने जब उससे मिलने से मना किया तब आरोपी ने उसे बदनाम करने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने लगा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओ में मामला कायम कर लिया है।

# एमसीयू में प्रतिभा एवं प्रतिभा प्लस के पुरस्कार वितरण समारोह और एमसीयू माध्यम बैंड का शुभारंभ

### अगले साल प्रतिभा सुपर का होगा शुभारंभः कुलपति प्रो.डॉ. सुरेश

### राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक ले. कर्नल आशीष अग्रवाल एवं कुलपति प्रो. सुरेश ने विद्यार्थियों को प्रदान किए प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं मैडल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में प्रतिभा 2024 एवं प्रतिभा प्लस पुरस्कार वितरण एवं एमसीयू माध्यम बैंड के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया । समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ के.जी. सुरेश ने की। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक ले. कर्नल आशीष अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। गरिमामयी भव्य समारोह में 19 सांस्कृतिक एवं 3 खेल प्रतियोगिताओं क्रिकेट, शतरंज एवं कैरम के विजेता विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया गया।

विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार विवि. ने अपना स्वयं का एक बैंड बनाया, जिसका नाम एमसीयू माध्यम बैंड रखा गया है । कुलगुरु प्रो. सुरेश, मुख्य अतिथि अग्रवाल एवं कुलसचिव प्रो. डॉ. अविनाश वाजपेयी द्वारा एमसीयू माध्यम बैंड का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बैंड के लोगो का भी विमोचन किया गया। पहली बार सभागार में एमसीयू माध्यम बैंड द्वारा भारतीय मूल्यों एवं परम्पराओं से ओतप्रोत प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. के. जी. सुरेश ने अगले वर्ष प्रतिभा सुपर के आयोजन की भी घोषणा की । उन्होंने कहा कि इस आयोजन में आने वाले साल में देश के अन्य मीडिया विश्वविद्यालय एवं संस्थाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा । उन विश्वविद्यालय, संस्थाओं के विद्यार्थी भी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगले साल से एमसीयू की संबद्ध अध्ययन संस्थाओं में भी प्रतिभा का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. सुरेश ने सभी विजेता विद्यार्थियों की जमकर प्रशंषा की एवं उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं । समारोह के मुख्य अतिथि ले. कर्नल आशीष अग्रवाल ने प्रतिभा 2024 प्रतिभा प्लस के सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रतिभा के माध्यम से नंबर वन भी बनेगा । श्री अग्रवाल ने कहा कि कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश के आने से विश्वविद्यालय को एक नई पहचान मिली है । ले. कर्नल अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने अब तक सिर्फ एमसीयू का नाम सुना था, लेकिन सर्वसुविधायुक्त हरे भरे कैंपस को देखकर और यहां आकर उन्हें बहुत ही अच्छा लग रहा है एवं वे गर्व का अनुभव कर रहे हैं । समारोह में मीडिया प्रबंधन विभाग के समाचार पत्र हिम तरंगिणी, पत्रकारिता विभाग के समाचार पत्र विकल्प एवं हम सबके राम पोस्टर का विमोचन भी कुलपति प्रो. सुरेश, ले. कर्नल श्री अग्रवाल द्वारा किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव रहे स्व. श्री अनिल चौबे की स्मृति में चलचित्र अध्ययन विभाग में एमएससी फिल्म प्रोडक्शन में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली विद्यार्थी सुश्री वेदिता केसरी को स्मृति पदक, प्रमाण पत्र के साथ ही 21000/- (इक्कीस हजार रुपए) की नगद राशि प्रदान की गई । वहीं वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार स्व.श्री अंबाप्रसाद श्रीवास्तव की स्मृति में भी विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली विद्यार्थी सुश्री पूर्वी सक्सेना को स्मृति पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । विवि. की महिला प्रकोष्ठ, रेडियो कर्मवीर केंद्र एवं योगाभ्यास के विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । इसके साथ ही न्यूज चैनल में चयनित विद्यार्थियों को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

आपको बता दें कि प्रतिभा प्लस में विश्वविद्यालय में पहली बार विश्वविद्यालय के तीन परिसरों (रीवा, खंडवा एवं दतिया) के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया था। समारोह में विजेता रहे विद्यार्थियों को भी ट्रॉफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। रीवा परिसर से अकादमिक प्रभारी डॉ. सूर्यप्रकाश एवं खंडवा परिसर से श्री ओपी चौरे टीम मैनेजर के रुप में उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यार्थी, हर्षिता श्रीवास, साम्भवी स्थापक एवं ओशी दुबे द्वारा मनमोहक एकल नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। समारोह का संचालन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. अरुण कुमार खोबरे, डॉ.उर्वशी परमार एवं आभार प्रदर्शन जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सारंग द्वारा किया गया । समारोह में समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी कर्मचारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# कांग्रेस आज भी निभा रही उलटे काम करने की परंपरा: डॉ. मोहन यादव

**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेवाड़ी और झांसी लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया एवं रोड शो में भी सहभागिता की**

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेवाड़ी बेरली के कसेली और झांसी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उत्तरप्रदेश के झांसी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ रोड शो भी किया। यहां पर मुख्यमंत्री के रोड शो में जनसैलाब उमड़ा पड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पर लगातार फूलों की बारिश होती रही। इससे पहले झांसी पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभूतपूर्व स्वागत, सत्कार किया गया। इसके बाद दोनों मुख्यमंत्री रथ पर सवार होकर झांसी की गलियों में घूमे। यहां पर हर तरफ मोदी..मोदी.., अबकी बार-400 पार, जयश्रीराम के नारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से उलटे ही काम किए हैं और आज भी उनके नेता इस परंपरा को निभाते चले आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से धर्म का विरोध किया। हम धर्म की बातें करते हैं तो कांग्रेसियों के पेट में दर्द होता है, वे अधर्मी हैं। अंग्रेज चले गए, लेकिन कांग्रेस को छोड़ गए, ये आज भी नहीं सुधरे हैं। सबका साथ-सबका विकास, यह बोलने के लिए नहीं करके दिखाने के लिए है और भाजपा ने यह करके दिखाया है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जिसमें एक गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बनता है, एक गरीब का बेटा मुख्यमंत्री, सांसद, मंत्री बनता है। हरियाणा की धरती हमेशा से वीरों की धरती रही है, आज भी यहां के वीर सीमा रेखा पर जाकर देश की रक्षा कर अपना धर्म निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और इनके नेताओं को हमारे धर्मों की बातें चुभती हैं। हम मंदिरों, देवी-देवताओं का जयकारा लगाते हैं तो इनको तकलीफें होती हैं। ये बोलते हैं कि भाजपा के लोग धर्म की बातें क्यों करते हैं? कांग्रेस ने हमेशा से सनातन धर्म का विरोध किया है, मंदिरों का विरोध किया है। कांग्रेस ने सोमनाथ के मंदिर का विरोध किया था इसका गवाह इतिहास भी है। कांग्रेस पार्टी 70 वर्षों तक अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण में रोढ़ा डालती रही। हिन्दू-मुसलमान को लड़ाकर राजनीति करती रही। इन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण का भी विरोध किया। इससे बढ़कर इन्होंने जो पाप किया है वह भी इतिहास में दर्ज होगा, क्योंकि कांग्रेस और इनके घमंडिया गठबंधन के नेताओं ने श्रीरामलला मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का आमंत्रण भी ठुकराया था। अब तो देश की जनता ही इन्हें ठुकराने वाली है। अंग्रेज चले गए, लेकिन कांग्रेस को छोड़ गए। ये भी आज उस उल्टे रास्ते पर चलकर अपनी परंपरा को निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हरिणाया की धरती का अपना इतिहास रहा है। यह धरती महाभारत काल से योद्धाओं की धरती रही है। इसी धरती पर महाभारत का युद्ध हुआ था। जब यहां का इतिहास देखें तो पता चलता है कि देश के अंदर ऐसी कम जगह हैं। यहां के हर घर से कोई ना कोई रणबांकुरा अपने देश की सीमा पर ड्यूटी कर रहा है और देश की रक्षा कर रहा है। हमारे सारे युद्धों में यहां के वीर बांकुरो ने दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। 1962 के युद्ध से लेकर पाकिस्तान को मारने तक, ऐसा कौन सा पदक है जो यहां के बहादुरों की छाती पर शोभायमान नहीं हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से लेकर कांग्रेस के शासनकाल में जब भी शिक्षा नीति में बदलाव हुआ तो इन्होंने हमारी शिक्षा नीति को देव विहीन किया। 1835 में लॉर्ड मैकाले ने जब शिक्षा नीति लागू की, तब उस शिक्षा नीति में से दुर्भाग्य से भगवान श्री कृष्ण और भगवान श्रीराम के सारे अध्यायों को निकालकर शिक्षा नीति को देव विहीन कर दिया। इसके बाद जब अंग्रेज चले गए तो यही काम कांग्रेस ने किया। कांग्रेस ने भी शिक्षा नीति में बदलाव करके पहले ग से गणेश पढ़ाते थे तो उन्होंने ग से गधा पढ़ाना शुरू करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के जीवन में कष्ट ही कष्ट रहे हैं, लेकिन हर कष्ट के बाद भी कन्हैया, कन्हैया ही रहे है। कालिया नाग को मारकर उसके फन पर नृत्य करने की हिम्मत केवल गोपाल कृष्ण में है। भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर उनके बड़े होने तक कष्ट ही कष्ट सहे। जेल में उनका जन्म हुआ।

बचपन में उन्हें जहर दिया गया, कई राक्षसों को मारने के लिए भेजा गया, लेकिन श्रीकृष्ण का जीवन कठिन समय में जीने की सीख देता है। उन्होंने कंस जैसे महापराक्रमी को मारा और उसके बाद उज्जैन शिक्षा ग्रहण करने के लिए आ गए। भगवान श्रीकृष्ण ने 64 कला, 14 विद्या, 4 वेद, 18 पुराण की शिक्षा ग्रहण की। ऐसा शिक्षार्थी तो कहीं मिलेगा ही नहीं। डॉ. यादव ने कहा कि इससे पहले लाखों साल पहले भगवान श्रीराम हुए और 5000 साल पहले भगवान श्री कृष्ण हुए। एक ने मर्यादा के साथ जीवन जीना सिखाया और दूसरे ने मर्यादा को तोड़ने वालों को लाइन पर लाने का काम किया।

## देश का लोकतंत्र इस समय सबसे मजबूत एवं सबसे सुरक्षित हाथों में है: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में उत्तम नगर एवं उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ने के लिए 80 उम्मीदवार नहीं मिले और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। राहुल गांधी में हिम्मत है तो वे दिल्ली से चुनाव लड़कर बताएं। पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की लहर है और घमंडिया गठबंधन के सारे घमंडियों का घमंड जमीन पर आ रहा है। देश का लोकतंत्र इस समय सबसे मजबूत एवं सबसे सुरक्षित हाथों में है। पहले दिल्ली में कहीं भी बम फूट जाते थे, लेकिन अब पाकिस्तान को डर लगता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस समय पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी एवं भगवान श्रीराम की जय-जयकार हो रही है। पूरे देश का माहौल एक अलग ही दिशा में जा रहा है। घमंडिया गठबंधन के सारे घमंडियों का घमंड भी जमीन पर आ रहा है। अबकी बार-400 पार का संकल्प हर हाल में पूरा होगा। इसे कोई नहीं रोक सकता है। एक तरफ राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उन्हें उत्तरप्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए 80 उम्मीदवार नहीं मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज भारत देश का लोकतंत्र सबसे सुरक्षित हाथों में है। जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लोकतंत्र को लेकर बातें कर रहे हैं उससे साफ जाहिर है कि वे भयभीत हैं।

उप पुलिस अधीक्षकों को बुनियादी प्रशिक्षण में सेवा उन्मुखीकरण पर विशेष सत्र संपन्न

## प्रमुख सचिव गृह और विशेष पुलिस महानिदेशक ने दिया मार्गदर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में 43वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान सेवा में उन्मुखीकरण हेतु एक विशेष सत्र मंगलवार को आयोजित किया गया। इस सत्र में संजय दुबे, प्रमुख सचिव गृह विशेष रूप से उपस्थित हुये। दुबे ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सेवा में सफलता हेतु उपलब्धता,उत्सुकता एवं उद्यमिता के तीन सूत्र बताये।

उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि वर्दी धारण करते ही आपको जनता के लिए हर समय उपलब्ध रहना होगा। आपका यह उत्तरदायित्व है कि आपके पास आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आप सुनें और उसकी समस्या का कानूनी तरीके से समाधान करें। आप दो वर्ष के प्रशिक्षण में तो पुलिसिंग का प्रशिक्षण हासिल करेंगे ही लेकिन प्रशिक्षण के उपरान्त भी आपको सम्पूर्ण सेवाकाल में सीखने के लिए उत्सुक रहना होगा, तभी आप अपनी नौकरी के साथ न्याय कर पाएंगे। श्री दुबे ने कहा कि उद्यमिता ही एक शासकीय सेवक को सफल बनाती है। आपको हर समय कड़ी मेहनत से अपना कार्य करते हुए जनता के बीच अपनी अच्छी छवि निर्मित करनी है। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में समन्वय एवं समर्पण से कार्य करने की सलाह भी दी। दुबे ने कहा कि पुलिस सेवा में रहकर हमें कमजोर वर्गों की सहायता करने के लिये हमेशा तत्पर रहना चाहिये। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा की विशेष पुलिस महानिदेशक अनुराधा शंकर ने भी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। उन्होने बताया कि सभी प्रशिक्षु अधिकारी लोक सेवक की श्रेणी में आते हैं, जिन्हें संविधान व कानून की मंशा के अनुरूप निर्भीकता व स्वतंत्रता से कार्य करना चाहिये। उन्होंने प्रशिक्षण की महत्ता को रेखांकित करते हुये प्रशिक्षुओं को अपना संपूर्ण प्रशिक्षण पूरे मनोयोग से प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण व प्रशिक्षण की रूपरेखा अकादमी के उप निदेशक मलय जैन ने प्रस्तुत की तथा पुलिस अधीक्षक, पीटीएस भौंरी रश्मि पाण्डेय ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) नीरज पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर इरमीन शाह,समनि, पुलिस मुख्यालय एवं पुलिस अकादमी के सभी अधिकारी, प्रशिक्षक व स्टाफ उपस्थित रहे।

## कृषकों के लिए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़कर 31 मई की

**भोपाल।** राज्य शासन ने केवल उपार्जन से संबंधित कृषकों के लिए खरीद 2023 सीजन में वितरित किए गए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाकर 31 मई 2024 नियत की है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी। सरकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तरता के संबंध में भी निर्देश जारी किये गये हैं। योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि (ड्यू डेट) 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 करने के आदेश सहकारिता विभाग ने प्रसारित किये हैं। किसानों को उपार्जित फसल की देय राशि प्राप्त होने में तकनीकी आदि कारणों से विलंब को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि केवल ऐसे कृषकों जिनके द्वारा निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 तक समर्थन मूल्य पर अपने विभिन्न फसलों जैसे - गेहूं, चना, मसूर, सरसों आदि का विक्रय किया गया है एवं उन्हें उनके उपज विक्रय की राशि का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है तथा उपार्जन की निर्धारित अंतिम तिथि तक उक्त फसलों का विक्रय करने वाले शेष किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन की निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 को बढ़ाकर 31 मई, 2024 किया जायेगा।

## मिक्स कचरा देने वाले रहवासी संघों पर कार्यवाही करें: निगम आयुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन को उच्च स्तरीय बनाने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत विभिन्न क्षेत्रों एवं पार्कों आदि का निरीक्षण निरंतर किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त श्री नारायन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था के साथ ही पार्कों एवं पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया और श्यामला हिल्स, नादिर कालोनी, अंसल अपार्टमेंट क्षेत्र में साफ-सफाई कराने, अशोका लेक व्यू होटल के पीछे खुली भूमि का समतलीकरण व सौन्दर्यीकरण कराने, बोट क्लब से वर्धमान पार्क तक पाथवे स्थित भवन का बेहतर ढंग से संधारण करने व यहां स्थित खुली भूमि पर पेड़-पौधे लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान निगम आयुक्त ने वी.सी. के माध्यम से निर्देशित किया कि कचरा पृथक्कीकरण व्यवस्था को सख्ती के साथ सुनिश्चित करायें और मिक्स कचरा देने वाले रहवासी संघों पर भी कार्यवाही करें। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने बुधवार को श्यामला हिल्स, नादिर कालोनी, अंसल अपार्टमेंट, लेक व्यू पाइंट, बोट क्लब, वर्धमान पार्क पाथवे आदि का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री नारायन ने नादिर कालोनी, अंसल अपार्टमेंट क्षेत्र में बड़े तालाब की ओर ढलान पर पड़े कचरे को उठवाने व बेहतर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने अशोका लेक व्यू होटल के पीछे जहां पूर्व में दिए गए निर्देशानुसार साफ-सफाई कराई गई है उस स्थल का समतलीकरण कराने, आकर्षक घास एवं पेड़ पौधे लगाकर बेहतर स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त नारायन ने वी.सी. के माध्यम से अधिकारियों को निर्देशित किया कि गीला-सूखा व अन्य प्रकार के कचरे का पृथक्कीकरण सख्ती के साथ सुनिश्चित कराया जाएं और मिक्स कचरा देने वाले व्यक्तियों एवं रहवासी संघों पर भी स्पॉट फाईन की कार्यवाही करें और कचरा पृथक्कीकरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाये।

## राष्ट्रीय डेंगू दिवस: कनेक्ट विथ कम्युनिटी, कंट्रोल डेंगू की थीम पर आयोजित होंगे जागरूकता कार्यक्रम

**भोपाल।** राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा । प्रत्येक वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य मानसून के पूर्व वाहक जनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करना है। राष्ट्रीय डेंगू दिवस 2016 से मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह दिवस कनेक्ट विथ कम्युनिटी, कंट्रोल डेंगू की थीम पर मनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर नगर पालिका निगम सभागृह में वाहक जनित रोगों के प्रसार एवं उनके नियंत्रण की गतिविधियों पर जानकारी के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा वाहक जनित रोगों के प्रसार एवं उनके नियंत्रण की गतिविधियों पर जानकारी दी जावेगी। कार्यशाला में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, गैस राहत चिकित्सालय, रेलवे चिकित्सालय, कस्तूरबा चिकित्सालय, बीमा अस्पताल, पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय, शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, हकीम सैयद जिया उल हसन यूनानी चिकित्सालय सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक शामिल होंगे। कार्यशाला में निजी चिकित्सालयों को भी शामिल किया गया है। डेंगू दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य संस्थानों सहित शैक्षणिक संस्थाओं, रहवासी क्षेत्रों, शासकीय एवं निजी संस्थानों में जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

### मातृछाया सेवा भारती के 4 वर्षीय बालक को दत्तक ग्रहण में दिया गया

**भोपाल।** अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट साउथ श्री हर्षल पंचोली ने मंगलवार को अमरिकी मूल के नागरिक दम्पति को जिला भोपाल में स्थित विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण मातृछाया सेवा भारती के 4 वर्षीय बालक को दत्तक ग्रहण में दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पंचोली द्वारा दत्तक माता-पिता से चर्चा की गई एवं उनके बारे में आवश्यक जानकरी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि 25 सितम्बर 2022 को दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के लागु होने के पश्चात् भारत शासन द्वारा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को आसन बनाते हुए दत्तक ग्रहण आदेश कलेक्टर अथवा अपर कलेक्टर के द्वारा प्रदाय किया जाता है, विनियम के लागु होने के पश्चात् जिले भोपाल में अब तक 22 दत्तक ग्रहण आदेश जारी किये जा चुके । जिसमे 8 आदेश अन्तराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण आदेश एवं 14 राष्ट्रीय आदेश दिए गए। बैठक में सहायक संचालक एवं संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास, समाजिक कार्यकर्त्ता विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण एवं आफा की सदस्य उपस्थति रहे।

### राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक कल

भोपाल। अपर आयुक्त भोपाल संभाग भोपाल श्रीमती उषा परमार ने बताया कि विकास एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक 17 मई शाम 4 बजे से आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई है। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री एवं प्रभारी अपर मुख्य सचिव की बैठकों के पालन प्रतिवेदन समीक्षा, राजस्व महा अभियान एवं राजस्व प्रकरणों, खाद्य पदार्थों की मिलावट पर रोकथाम, जिला पंचायतों की रैकिंग, मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण, सीएम राइज विद्यालय की प्रगति, जल जीवन मिशन, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा की जाएगी।

# बैंक लूट का मामला: पुलिस ने 41 लाख की लूट का किया पर्दाफाश, तीन आरोपी हिरासत में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में पुलिस ने एक बैंक लूट की गुत्थी को सुलझाते हुए, तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फतेहपुर स्थित मध्यांचल ग्रामीण बैंक से 41 लाख रुपये से अधिक की रकम लूटने के आरोप में तीन व्यक्तियों को धर दबोचा गया है। इस घटना का खुलासा करने में दमोह पुलिस की तत्परता और सूझबूझ की विशेष भूमिका रही है। जांच के दौरान पता चला कि बैंक कर्मचारी ने अपने कर्ज को चुकाने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर इस वारदात की योजना बनाई थी। आरोपियों ने बैंक से लूटी गई रकम को अपने पास छिपा रखा था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

शाखा प्रबंधक की सूचना पर, पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया और जांच प्रक्रिया शुरू की। दमोह पुलिस की टीम ने नाकाबंदी कर बैंककर्मियों से पूछताछ की और संदेशवाहक के बयानों में विरोधाभास पाए जाने पर उसे हिरासत में लिया। आरोपियों की पहचान फतेहपुर और पिपरिया घनश्याम के निवासियों के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल, हथियार, मोबाइल और लूटी गई रकम को जब्त किया है। इस जांच में दमोह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पथरिया के एसडीओपी, हटा के एसडीओपी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की सायबर टीम, फोटोग्राफी और फोरेंसिक टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दमोह पुलिस की जांच और कार्रवाई से न केवल आरोपियों को पकड़ा गया, बल्कि लूटी गई रकम की बरामदगी भी सुनिश्चित हुई है। इस घटना ने पुलिस की सक्रियता और अपराधियों के खिलाफ उनकी दृढ़ता को उजागर किया है।

## सम्पादकीय

# तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप का चुनाव

लोकसभा चुनाव के अंतर्गत चार चरणों का मतदान हो चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों के शोर-शराबे वाले चुनाव-अभियान ने वास्तविक मुद्दों को दबा दिया है। तर्क-वितर्क की जगह आक्षेपों और निंदा का दौर चल रहा है। मुद्दों पर बहस का दौर जैसे कल की बात हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही ऐसा लग रहा है, जैसे प्रतिस्पर्धा नहीं, युद्ध चल रहा हो। एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ आसमान छू रही है।

चुनाव का लक्ष्य सत्ता की प्राप्ति होता है, लेकिन लोकतंत्र में कहीं न कहीं स्थापित मानदंडों का पालन किया जाता है। आज लोकतंत्र की आड़ में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति की जा रही है। यह शायद पहली बार है, जब सत्ता में काबिज दल न केवल जीत के प्रति आश्वस्त है, अपितु सीटों की संख्या को लेकर भी दावा किया जा रहा है। लोकतंत्र का ऐसा स्वरूप पहली बार देखने को मिल रहा है, जहां लोकतंत्र की धज्जियां भी उड़ाई जा रही हैं।

सत्तापक्ष अतिआत्मविश्वास से ओतप्रोत है, तो विपक्ष भी अब सत्ताप्राप्ति के लिए जी जान से जुटा दिख रहा है। इंडिया गठबंधन में कहने को कई स्वर सम्मिलित हैं। लेकिन उसके अभियान की सफलता उसके मंतव्यों की स्पष्टता से ही तय होगी। अपने मुख्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने और प्रत्येक मतदाता को उससे अवगत कराने के अलावा वहां वैकल्पिक नेतृत्व का महत्वपूर्ण प्रश्न तो मौजूद है ही।

मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस ने अपने मुख्य प्रचारक राहुल गांधी को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं किया है। कांग्रेस की जो भी स्थिति हो, नेतृत्व का प्रश्न उसके चुनाव-अभियान के परिणाम के लिए महत्वपूर्ण होगा। लेकिन एक बात और पहली बार देखने को मिल रही है, और वो यह कि राहुल गांधी में गजब का आत्मविश्वास आया है। वहीं सत्तापक्ष के दो प्रमुख आधारस्तंभ अपने ही मुद्दों पर डटे रहने के बजाय भटकते नजर आ रहे हैं।

फिर भी, विपक्षी एकता के आधार के रूप में खुद को पुनर्जीवित करने की आवश्यक शर्त के रूप में कांग्रेस को चापलूसी और वफादारी के बीच के अंतर को भी पहचानना होगा। अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली में 'छिपी हुई खामोशियों' को उदारतापूर्वक सुनना भी उसके लिए जरूरी है। अब शायद ऐसा हो भी जाए, क्योंकि कांग्रेस में युवाओं को कमान सौंपने का क्रम भी तेज कर दिया गया है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी के मुख्य प्रचारक के रूप में 26 दलों के संयुक्त विपक्ष के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए इच्छाशक्ति की असाधारण दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणनीतिक रूप से अपनी पार्टी के अभियान को राष्ट्रीय गौरव और लोगों के भविष्य के लिए आशाओं के साथ आगे बढ़ाया है।

लेकिन उन्हें भी यह ध्यान रखना होगा कि न्याय, गरिमा और स्वतंत्रता के विचार सत्ता के प्रलोभन से अधिक दीर्घकालीन होते हैं। अपनी विविधता से परिभाषित एक राष्ट्र के नेता के रूप में वे इससे भी अवगत होंगे कि उनका प्राथमिक दायित्व राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना और असंख्य सामाजिक-राजनीतिक विभाजनों को पाटने के लिए एक एकीकृत राजनीति का पोषण करना है। कहीं न कहीं ऐसा नहीं हो पा रहा है। राम मंदिर से लेकर तमाम धार्मिक मुद्दों के सहारे शुरू हुआ चुनाव अब और अधिक भटकता नजर आ रहा है। मुद्दे नहीं, आरोप-प्रत्यारोप मुख्य आधार हो गए हैं।

सरकार चाहे कोई भी बनाए, जीत लोकतंत्र की होनी चाहिए। उनकी होना चाहिए, जिनकी राजनीति न्याय और मानवीय गरिमा पर आधारित लोकतंत्र को कायम ही नहीं, मजबूत करती हो। देखा जाए तो यह चुनाव समानतापूर्ण नागरिकता की स्वतंत्रता को सुदृढ़ करने का है। यह सुनिश्चित करने का है कि जनता के नाम पर मांगी गई शक्ति का उपयोग उनके अंतर्निहित अधिकारों को आगे बढ़ाने में ही किया जाए। यह हमारे देश और उसके लोगों को भी परिभाषित करेगा, जिन्हें अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेना है, यह याद रखते हुए कि उनकी स्वतंत्रता लोकतंत्र के रक्षकों के नैतिक साहस, निडरता और उदारता पर निर्भर करती है।

यह चुनाव हमारे सामाजिक ताने-बाने में गहराती दरारों को ठीक करने वाला होना चाहिए, ताकि हम दावा कर सकें कि भारतीय लोकतंत्र कोई भ्रामक सपना नहीं है। और हम एक प्रबुद्ध देश के सशक्त नागरिकों के रूप में गर्व से अपना सिर उठा सकते हैं। परंतु अब यह दिशाहीन होता दिख रहा है, जो निश्चित तौर पर दुखद है। एक तरफ लोकतंत्र और संविधान को लेकर चिंता का माहौल बनाया जा रहा है, दूसरी तरफ धर्म को खत्म करने का भय दिखाया जा रहा है। तीन चरणों के चुनावों में मतदाता ने अपनी बेरुखी दिखाकर राजनीतिक दलों को चेताया भी। लेकिन बदलाव नहीं हुआ, उलटे येन केन प्रकारेण मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में जुट गए हैं। एक तरफ चिंता के भाव उभरते दिख रहे हैं कि दावों के अनुसार सीटें कैसे आएं, दूसरी ओर यह विश्वास बढ़ता दिख रहा है कि सत्ता परिवर्तन तय है। प्रतीक्षा तो करनी ही होगी कि यह दिशाहीन चुनाव किन परिणामों तक पहुंचेगा।

# मोदी का कांग्रेस पर और राहुल का मोदी पर तंज

**-अरुण पटेल**

मां गंगा और कालभैरव का आशीर्वाद लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से चुनावी समर में कूदते ही कांग्रेस पर तंज किया कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलेगा तो वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट कर पूछ डाला कि देश की सम्पत्ति कितने टेम्पो के बदले बेची, क्या मोदी जनता को यह बतायेंगे।

नामांकन के बाद एक टीवी चैनल से बातचीत में मोदी ने कहा कि राम मंदिर चुनाव का नहीं श्रद्धा का मुद्दा है। राहुल गांधी को वायनॉड के बाद रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि केरल के लोग उन्हें समझ चुके हैं। जनता ने इस बार हमें 400 से ज्यादा सीटें जीतने का आदेश दिया है। मोदी ने यह भी कहा कि मैं कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं करुंगा, जिस दिन हिन्दू-मुसलमान करुंगा उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रहूंगा। उन्होंने कहा कि बचपन में मेरी परवरिश मुसलिम समुदाय के बीच हुई थी, हमारे पड़ोस में मुसलिम परिवार रहते थे।

मैं बचपन में अपने पड़ोसियों के साथ ईद मनाता था, इस दिन हमारे घर में खाना नहीं बनता था, खाना पड़ोसियों के यहां से आता था, मेरे कई मुसलिम दोस्त भी हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि हमारी सरकार धर्म व जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करती। गुजरात में 2002 के बाद मेरी छवि खराब करने की कोशिश की गई। ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले और घुसपैठियों के सवाल पर मोदी का कहना था कि जब मैं ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले लोगों के बारे में बात करता हूं तो लोग यह मान लेते हैं कि मैं मुसलमानों के बारे में बात कर रहा हूं। कई गरीब हिन्दू परिवारों में भी यह समस्या है, ज्यादा बच्चे होने के कारण वे उन्हें ठीक से शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से एक्स पर यह पूछा कि देश की सम्पत्ति कितने टेम्पो के बदले बेची। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की पूंजी दोस्तो को दे दी, उन एयरपोर्टों के नाम भी गिनाएं जो अदाणी को दिये गये हैं। उन्होंने लिखा कि आज मैं लखनऊ एयरपोर्ट पर था, गुवाहाटी से लेकर अहमदाबाद तक तमाम एयरपोर्ट अपने टेम्पो वाले मित्र को सौंप दिये हैं। देश की सम्पत्ति कितने टेम्पों के बदले बेची गयी, क्या नरेन्द्र मोदी जनता को बतायेंगे।

राहुल ने उन एयरपोर्ट के नाम भी गिनाये जो अदाणी को दिये गये। उन्होंने तंज किया कि मुम्बई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलूरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम जैसे जबरदस्त एयरपोर्ट नरेंद्र मोदी ने रैपिड टेम्पो के साथ गौतम अदाणी को दे दिये। राहुल ने जो वीडियो शेयर किया उसमें सबसे पहले लखनऊ एयरपोर्ट अदाणी को देने का जिक्र है। उन्होंने सवाल किया कि इसकी जांच कब शुरू करेंगे।

तीसरी बार वाराणसी से मोदी के नामांकन करने पर कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि 20 हजार करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भी आखिर गंगा क्यों मैली है। जयराम रमेश ने सवालों के तीर चलाते हुए कहा है कि पहले प्रधानमंत्री को वाराणसी में अपनी विफलताओं पर जवाब देना चाहिये कि आखिर इतनी भरकम राशि खर्च करने के बावजूद गंगा अधिक मैली क्यों हो गई, वाराणसी के अपने गोद लिये गांवों को उनके ही हाल पर क्यों छोड़ दिया।

इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने वाराणसी में महात्मा गांधी से जुड़ी विरासत को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश में यादव बाहुल्य लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी प्रचार करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर तंज कसा कि गठबंधन करना ही है तो डूबते जहाज में क्यों बैठ रहे हो भैया, जिन्होंने पूरी कांग्रेस को डुबो दिया उनसे गठबंधन कर रहे हो। इस प्रकार जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है वैसे-वैसे राजनेताओं के बीच एक-दूसरे पर घटाटोप आरोपों की झड़ी भी बढ़ती जा रही है तथा आगे यह और अधिक तीखी व तल्ख होती जायेगी।

# और अब नामांकन भी बन गया उत्सव ...

**निर्मल रानी**

चाहे वह प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो, चुनाव प्रचार में रैली या रोड शो करना हो,जी एस टी जैसी नीति लागू करनी हो यहां तक कि कोविड जैसी विश्व की अब तक की सबसे बड़ी आपदा ही क्यों न हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन जैसे सभी अवसरों में %उत्सव% तलाशने में विशेष महारत रखते हैं । हालांकि समय समय पर ज़रुरत के अनुसार वे यह भी बताने से भी नहीं चूकते कि उनकी परवरिश बेहद ग़रीबी में हुई। वह सार्वजनिक तौर पर भी कई बार अपनी ग़रीबी का ज़िक्र करते हुये अपने बचपन की कई दास्तानें सुना चुके हैं। वे स्वयं अपने व अपनी मां के पीड़ादायक दिनों का जिक्र करते हुये बता चुके हैं -कि बेचारी मेरी मां बर्तन साफ़ किया करती थीं। मैंने अपनी मां को दूसरों के घरों में बर्तन मांजते देखा है। साथ ही वह हमारा पालन पोषण भी बखूबी करती थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि - हम बिनौले छीलते थे, सुबह बेचने जाते थे, जिससे हमें जीने के लिए कुछ मज़दूरी मिलती थी।

मोदी ने कहा कि मजबूरियों से घिरी मां के बोझ को कम करने के लिए मैंने खुद चाय बेची थी। प्राय: वे अपनी परवरिश के लिए दिये गये अपनी मां के बलिदान को याद करते रहते हैं। उनकी इस बाल कथा को सुनकर निश्चित रूप से सुनने वालों का मन यह सोचकर द्रवित हो उठता है कि इतनी ग़रीबी में पलने वाला व्यक्ति किस तरह भारतीय संविधान व लोकतंत्र की महिमा से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँच सका। और जब वही मोदी यह कहते हैं कि मैं प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधानसेवक हूँ। वे स्वयं को फ़क़ीर भी बताते हैं। यहाँ तक कि जब उनसे यह पूछा जाने लगता है कि उनमें यह फ़क़ीरी आई कहाँ से ? और वे खुद ही यह भी कहते हैं कि -विरोधी मेरा क्या कर लेंगे? हम तो फ़क़ीर आदमी हैं, झोला लेकर चल पड़ेंगे।यह फ़क़ीरी है, जिसने मुझे गरीबों के लिए लड़ने की ताक़त दी है।

संघ से जुड़े अपने शुरूआती दिनों पर रौशनी डालते हुये वे यह भी बता चुके हैं कि काफ़ी दिनों तक वे अहमदाबाद के मणिनगर में डॉ. हेडगेवार भवन में रुके थे ,वहां वे सफ़ाई करते थे। वहां उनका यही काम था,सुबह 5 बजे उठना, झाड़ू-पोछा लगाना. सबके लिए चाय बनाना और 5.20 बजे सबको उठाकर चाय देना। मोदी यह भी कह चुके हैं कि - कोई भरोसा नहीं करेगा, लेकिन मैं 35 साल तक भिक्षा मांग कर खाया हूं। बेशक ये बात किसी के गले नहीं उतरेगी। हालांकि, मैं कहीं बता कर नहीं जाता था। वहां जाने पर जो भी मिल जाता, मैं खा लेता। अगर नहीं मिलता तो नहीं खाता। मेरा जीवन ऐसे ही गुज़रा है। कभी पार्टी के काम से देर से आया तो खिचड़ी बना कर खा लेता था।

और प्रधानमंत्री बनने के बाद जब वे कभी कभी संतों की वेशभूषा में कहीं कहीं साष्टांग दंडवत करते दिखाई देते हैं तो भी यही गुमान भी होने लगता है कि वास्तव में देश को ग़रीबी में परवरिश पाने वाला कोई संत फ़क़ीर रुपी प्रधानमंत्री मिला है। ज़ाहिर है ऐसे घोर ग़रीबी में पलने वाले ऐसे व्यक्ति से तो यही उम्मीद की जा सकती है कि उसका सारा जीवन सादगी से भरा हुआ होगा उसके रहन सहन व क्रिया कलापों में भी सादगी की झलक नज़र आएगी। और उसका सारा जीवन ग़रीबों के कल्याण में व उनका जीवन स्तर ऊपर लेजाने में गुज़रेगा।

परन्तु इन्हीं नरेंद्र मोदी का एक ऐसा रूप भी है जो उनकी बालकथा से बिल्कुल विपरीत है। उनका खान पान परिधान आदि तो शाही हैं ही साथ ही उनके राजनैतिक व सरकारी क्रिया कलाप व आयोजन भी इतने ख़र्चीले हैं जितने कि पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री के नहीं रहे। मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपनी यात्रा के लिए लगभग 8,458 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक दो बोईंग 777-300श्रेणी विमान ख़रीदे। यह विमान अमेरिकी राष्ट्रप?ति के एयरफ़ोर्स वन की तरह के हैं। बल्कि कई मामलों में उससे भी आधुनिक हैं। एक %ग़रीब प्रधानमंत्री% के इस क़दम की बहुत आलोचना हुई थी क्यूंकि इसमें देश की ग़रीब जनता का पैसा लगा था। इसी के साथ मोदी ने सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के तहत नया संसद भवन बनवा डाला। इस परियोजना की लागत अनुमानत: ?13,450 करोड़ थी। यह भी जनता के टैक्स के पैसों से बनाया गया ऐसा प्रोजेक्ट था जिसकी देश को कोई आपातकालीन ज़रुरत नहीं थी। पुराना संसद भवन भी अभी पूरी तरह मज़बूत अवस्था में है। मगर यह सब एक %फ़क़ीर प्रधानमंत्री के फ़ैसले थे। मोदी जी को जहां मंहगे व बेशक़ीमती परिधान पहनने व दिन में कई बार लिबास बदलने का शौक़ है वहीँ इनकी घड़ियाँ व पेन आदि भी लाखों रूपये क़ीमत के और विदेशी होते हैं।

याद कीजिये राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे पर मुलाक़ात के समय नरेंद्र मोदी ने जो कोट सूट पहना था उसके फ़ैब्रिक में ही नरेंद्र दामोदरदास मोदी बुना हुआ था। जब इस आलीशान शहंशाही परिधान की ख़ूब आलोचना हुई तो इसे नीलाम कर दिया गया। उसी के बाद विपक्षी मोदी सरकार को सूट बूट वाली सरकार कहते हैं। मेकअप कराना फ़ोटो शूट कराना,पोज़ देना ,कैमरे में अपने सिवा अन्यों को फ़्रेम से बाहर रखना जैसी फ़क़ीरी भरी बातों से तो सभी वाक़िफ़ हैं।

इतना ही नहीं बल्कि सरकारी ख़र्च पर बड़े बड़े आयोजन करना चुनावी सभाओं व रैलियों को करोड़ों ख़र्च कर उत्सव का रूप देना ,अपनी छवि चमकाने के लिया एजेंसियां अनुबंधित करने व विज्ञापन आदि पर जनता का पैसा ख़र्च करना भी इनके शग़ल में शामिल है। गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान सी प्लेन मोदी ने सी प्लेन उड्डाटित किया और वोट बटोरने की कोशिश की परन्तु बाद में वह सेवा ही बंद हो गयी। जी एस टी जैसा कथित तौर पर व्यावसायिक विरोधी कहा जाने वाला क़ानून जिस रात लागू हुआ उस रात तो ऐसा जश्न मनाया गया गोया देश को नई आज़ादी मिली हो। चुनावों में होने वाले इनके रोड शो बेहद ख़र्चीले होते हैं। इनके रोड शो में ट्रकों में भरकर फूल मंगाए जाते हैं।

एक स्थान पर सैकड़ों कार्यकर्तता उनकी पंखुड़ियां अलग करते हैं। फिर पूरे रस्ते में पार्टी कार्यकर्तता निर्धारित दूरी व स्थान पर थैलों में उन पंखुड़ियों को लेकर सड़कों व छतों पर खड़े होते हैं। और शहंशाह रुपी फ़क़ीर के वहां से गुज़रने पर उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जबकि देश को टी वी पर देखने में यही लगता है कि जनता फूल बरसा कर उनका स्वागत कर रही है। पिछले दिनों वाराणसी में उनके नामांकन के दौरान भी इसी तरह का दृश्य देखने को मिला। पहले उन्होंने 13 मई को वाराणसी में 6 किमी लंबा बेहद ख़र्चीला रोड शो किया। उसके बाद क्रूज़ पर बैठ वाराणसी के घाटों का भ्रमण किया। उसी क्रूज़ पर एक गोदी मीडिया के सदस्य टी वी चैनल को एक सुगम साक्षात्कार दिया। उसमें अपनी भावुकता जमकर दर्शायी। उसके बाद 14 मई को नामांकन में तो काशी में भाजपा के दिग्गजों का जमावड़ा लग गया। इनमें गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई मंत्री,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व अनेक मंत्रियों के अलावा कई राज्य के मुख्यमंत्री भी वहां मौजूद रहे। गोया करोड़ों रूपये ख़र्च कर %फ़क़ीर% की इस नामांकन प्रक्रिया को भी एक उत्सव का रूप दे दिया गया।

# कानून और न्याय: चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर विश्वास आवश्यक !

**विनय झैलावत**

सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम पर सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए सुझाव दिया (और बाद में सुझाव वापस ले लिया) कि भारत को मतपत्र प्रणाली में वापस आना चाहिए। इसने वीवीपीएटी पर्चियों पर बारकोड लगाने की भी सिफारिश की, ताकि मतगणना मशीनों का उपयोग किया जा सके जिससे किसी भी देरी को कम किया जा सके। न्यायालय ने कहा कि इस तरह के 'विफल और अनुचित' प्रस्तुतिकरण को खारिज कर दिया जाना चाहिए। क्योंकि, मतपत्र प्रणाली की कमजोरी अच्छी तरह से प्रलेखित है। भारतीय संदर्भ में, लगभग 97 करोड़ भारतीय मतदाताओं की विशाल संख्या, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या, मतदान केंद्रों की संख्या और मतपत्रों के साथ आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, हम मतपत्रों को फिर से शुरू करने का निर्देश देकर चुनावी सुधारों को पूर्ववत करेंगे।

ईवीएम महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। उन्होंने वोट डालने की दर को चार वोट प्रति मिनट तक सीमित करके बूथ कैप्चरिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है, जिससे आवश्यक समय बढ़ जाता है। इस प्रकार फर्जी वोटों के सम्मिलन की जांच की जाती है। ईवीएम ने अमान्य मतों को समाप्त कर दिया है, जो मतपत्रों के साथ एक प्रमुख मुद्दा था और गिनती प्रक्रिया के दौरान अक्सर विवादों को जन्म देता था। इसके अलावा, ईवीएम कागज के उपयोग को कम करती है और लॉजिस्टिक चुनौतियों को कम करती है। यह मतगणना प्रक्रिया में तेजी लाकर और त्रुटियों को कम करके प्रशासनिक सुविधा प्रदान करते हैं।

कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ताओं ने 'द क्विंट' की एक रिपोर्ट पर भरोसा किया। इसमें आरोप लगाया गया था कि 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान ईवीएम और वीवीपीएटी में लिए गए परिणामों में भिन्नता के ईसीआई मान्यता प्राप्त उदाहरण थे। इस तर्क के संबंध में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि एक मामले को छोड़कर 20,687 वीवीपीएटी पर्चियों की गणना करते समय कोई अन्य विसंगतियां नहीं देखी गई। वीवीपीएटी पर्चियों के अनिवार्य सत्यापन के दौरान विसंगति मतदान केंद्र नं. 63, मायदुकुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र, आंध्र प्रदेश 2019 लोकसभा चुनावों के दौरान। सत्यापन पर, यह पाया गया कि प्रीसाइडिंग अधिकारी द्वारा नकली मतदान डेटा को हटाने में विफलता के कारण विसंगति उत्पन्न हुई थी। जबकि मानवीय त्रुटियों को खारिज करना संभव नहीं है, ईवीएम और वीवीपीएटी पर मैनुअल के अध्याय 14 का पैराग्राफ 14.5 ऐसी स्थितियों से संबंधित है और प्रोटोकॉल निर्धारित करता है जिसका पालन किया जाना है।

न्यायमूर्ति खन्ना ने जोर देकर कहा कि जब हम चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर आक्षेप उठाते हैं तो सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी सहायक साक्ष्य के बार-बार और लगातार संदेह करने से अविश्वास पैदा हो सकता है। यह चुनावों में नागरिकों की भागीदारी को कम कर सकता है, जो एक मजबूत लोकतंत्र का एक अनिवार्य पहलू है। कल्पना और अनुमानों को हमें बिना किसी आधार या तथ्यों के गलत काम करने की परिकल्पना करने के लिए प्रेरित नहीं करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि ईसीआई की विश्वसनीयता और वर्षों से अर्जित चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को विचित्र चिंतन और अटकलों से प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने अपनी सहमति वाली राय में दावा किया कि याचिकाकर्ता एडीआर ने ईवीएम को बदनाम करने और चुनावी प्रक्रिया पर छाया डालने का प्रयास किया है। एडीआर, 1999 में स्थापित एक नागरिक समाज, कई न्यायिक हस्तक्षेपों में सबसे आगे रहा है। इसके कारण चुनावी कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। यह चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ताओं में से एक था जिसे इस साल फरवरी में सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। मुझे निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ वकील की इस दलील को स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि जैसा कि सुझाव दिया गया है, पिछले युग की पेपर बैलेट प्रणाली की ओर लौटने से याचिकाकर्ता संघ की ईवीएम के माध्यम से मतदान की प्रणाली को बदनाम करने की वास्तविक मंशा का पता चलता है। इस तरह मतदाताओं के मन में अनावश्यक संदेह पैदा करके चल रही चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतार दिया जाता है। न्यायाधीश ने आगे रेखांकित किया कि चुनावी सुधार लाने में एडीआर के पिछले प्रयासों के बावजूद, उन्हें मतपत्र प्रणाली को वापस लेने की मांग के कारण याचिका दायर करने वाले संघ की ईमानदारी के संबंध में गंभीर संदेह है।

न्यायालय ने कहा कि हाल के वर्षों में, कुछ निहित स्वार्थ वाले समूहों की एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है। वे राष्ट्र की उपलब्धियों और उपलब्धियों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, जो इसके ईमानदार कार्यबल की कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से अर्जित की गई है। ऐसा लगता है कि हर संभव सीमा पर इस महान राष्ट्र की प्रगति को बदनाम करने, कम करने और कमजोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के किसी भी प्रयास को, या बल्कि प्रयास को, शुरुआत में ही समाप्त कर देना चाहिए। कोई भी संवैधानिक अदालत, चाहे यह अदालत ही क्यों न हो, इस तरह के प्रयास को तब तक सफल होने की अनुमति नहीं देगी जब तक कि इस मामले में उसकी (अदालत की) राय है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता द्वारा एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत का चुनाव आयोग (2024) को निर्देश जारी किए गए थे। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा मतदान करने के तरीके में कोई बदलाव की सिफारिश नहीं की गई है, लेकिन चुनाव के बाद नई प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए कुछ निर्देश जारी किए गए हैं।

पहली बार, अदालत ने आदेश दिया है कि 1 मई को या उसके बाद किए गए वीवीपीएटी में प्रतीक लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने पर, प्रतीक लोडिंग इकाइयों (एसएलयू) को परिणाम घोषित होने के बाद 45 दिनों के लिए ईवीएम के साथ स्ट्रांग रूम में सील और संग्रहित किया जाना चाहिए। एसएलयू, जिसे लगभग उसी समय शुरू किया गया था जब वीवीपीएटी का उपयोग उम्मीदवारों के प्रतीकों को वीवीपीएटी पर लोड करने के लिए किया जाता है। यह एक जिला चुनाव अधिकारी की देखरेख में किया जाता है। वर्तमान में, ईवीएम के केवल तीन घटक-मतपत्र इकाई, नियंत्रण इकाई और वीवीपीएटी-परिणामों के बाद 45 दिनों के लिए संग्रहित किए जाते हैं। अब, इन एसएलयू को ईवीएम की तरह ही खोला, जांचा और निपटाया जाना है।

इसके अलावा अदालत ने दूसरे या तीसरे आने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के प्रति विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रतिषत ईवीएम में बर्न कम्प्युटर मेमोरी का सत्यापन करने की अनुमति दी है। यह अभ्यास परिणाम की घोषणा की तारीख से 7 दिनों के भीतर उम्मीदवार द्वारा लिखित अनुरोध के बाद निर्माताओं से संबंधित इंजीनियरों की एक टीम द्वारा किया जाएगा। अदालत ने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया का खर्च उम्मीदवारों को वहन करना होगा, जिसे ईवीएम के साथ छेड़छाड़ पाए जाने पर वापस कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधि मतदान केंद्र या क्रम संख्या से ईवीएम की पहचान करेंगे। सभी उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों के पास सत्यापन के समय उपस्थित रहने का विकल्प होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी, इंजीनियरों की टीम के परामर्श से, सत्यापन प्रक्रिया के बाद कंप्यूटर मेमोरी की प्रामाणिकता/अक्षुण्णता को प्रमाणित करेगा।

इन दो निर्देशों के अलावा, न्यायाधीशों ने कहा कि कार्यवाही के दौरान यह सुझाव दिया गया था कि वीवीपीएटी पर्चियों की भौतिक रूप से गिनती करने के बजाय, उन्हें एक गणना मशीन द्वारा गिना जा सकता है। तदनुसार, उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग इस सुझाव के अलावा इसकी ''जांच'' कर सकता है कि वीवीपीएटी में लोड किए गए प्रतीकों की बारकोडिंग मशीन की गिनती में सहायक हो सकती है। अदालत ने कहा कि चूंकि यह एक तकनीकी पहलू था जिसके मूल्यांकन की आवश्यकता होगी, इसलिए उसने सुनवाई के दौरान किसी भी तरह से टिप्पणी करने से परहेज किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

# माधवी राजे से कैसे मिले थे माधवराव सिंधिया ? पहली ही नजर में दिल दे बैठे थे माधव

नेपाल राजघराने में जन्मीं माधवीराजे सिंधिया शादी से पहले किरण राजलक्ष्मी से जानी जाती थीं। दिल्ली में शाही परिवार में पहली बार किरण राजलक्ष्मी से मिले माधव राव सिंधिया पहली नजर में उन्हें दिल दे बैठे थे। सिंधिया की मां राजमाता विजयाराजे सिंधिया का ताल्लुक भी नेपाल से है।

### पहली ही नजर में दिल दे बैठे थे माधव

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले ग्वालियर राजघराने के महाराजा माधवराव सिंधिया छुट्टियां मनाने अपने घर दिल्ली आए थे। इस दौरान माधवराव सिंधिया दिल्ली में एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। वहां उन्होंने एक लड़की को चिप्स और आइसक्रीम का ऑर्डर देते देखा। वो लड़की कोई और नहीं माधवी राजे सिंधिया थीं। जिससे एक साल बाद उनकी शादी हो गई।

### यहां हुई थी माधवी राजे और माधवराव की मुलाकात

जानकारी के मुताबिक एक वरिष्ठ पत्रकार ने अपनी किताब में माधवी राजे और माधवराव की मुलाकात का जिक्र किया है। उन्हों ने लिखा है- अगस्त 1965 में माधवराव सिंधिया गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली आए थे। तब वे ऑक्सफोर्ड से पढ़ाई कर रहे थे। दिल्ली के अशोका होटल में एक शादी समारोह में पहली बार उनकी मुलाकात माधवी राजे सिंधिया से हुई थी। वहां माधवी को आइसक्रीम और चिप्स का ऑर्डर देते हुए देखकर, माधवराव को हंसी आ गई। उन्होंने माधवी से पूछा, आप इतनी दूर नेपाल से यहां केवल आइसक्रीम और चिप्स खाने आई हैं? माधवराव के रिश्ते की बहन मीना भी उस शादी में मौजूद थीं।

### पहली ही नजर में दिल दे बैठे थे माधव

कहा जाता है कि माधवी को देखने के बाद माधवराव सिर्फ उनकी ही बातें करते थे। माधवी को उन्होंने पहली नजर में ही पसंद कर लिया था। उन्होंने अपनी मां विजयाराजे सिंधिया से ये बात बताई थी। हालांकि विजयाराजे सिंधिया कुछ करती इससे पहले ही माधवी राजे का रिश्ता आ गया। राजमाता विजयाराजे

सिंधिया भी नेपाल राजघराने की थीं। ग्वालियर के तत्कालीन महाराज माधवराव सिंधिया से माधवी की शादी 8 मई 1966 को हुई थी।

### बारात के लिए स्पेशल ट्रेन का इंतजाम

60 के दशक में सिंधिया परिवार में नेपाल राजघराने की तरफ से शादी का प्रस्ताव आया था, जिसे ग्वालियर घराने ने स्वीकार कर लिया। शादी से पहले उनका नाम किरण राज लक्ष्मी था, जिसे मराठी परंपरा के अनुसार बदलकर माधवी राजे सिंधिया किया गया। माधवराव सिंधिया और माधवी राजे सिंधिया की

शादी के सारे कार्यक्रम दिल्ली में हुए थे। इसमें विदेश से भी मेहमान आए थे। बारात ले जाने के लिए विशेष ट्रेन का इंतजाम किया गया। यह ट्रेन ग्वालियर से बारात लेकर दिल्ली पहुंची थी। यहां 6 मई 1966 को दोनों का विवाह हुआ था।

### महल के रास्ते तक बिछाए थे फूल

8 मई 1966 को हुई शादी के बाद माधवी राजे सिंधिया परिवार की बहू बनकर ग्वालियर लौटी थीं। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली से लेकर उनके महल के रास्ते तक फूल बिछाए गए थे।

45 हजार करोड़ के 400 कमरे वाले महल में रहती थीं राजमाता, सौम्य स्वभाव था उनकी पहचान

राजमाता 45 हजार करोड़ के 400 कमरे वाले महल में रहती थीं। उनका आलीशान महल 400 कमरे का है। आज भी इस महल की कीमत 45,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। वहीं, महल के अंदर मेहमानों को चांदी की ट्रेन से खाना परोसा जाता है। ग्वालियर का जय विलास पैलेस करीब 150 साल पुराना है।

### 45,000 करोड़ का महल, 400 कमरे और चांदी की ट्रेन

राजमाता माधवी राजे सिंधिया एक रॉयल लाइफ जीती थीं। ग्वालियर में वह 400 कमरे के बने जय विलास पैलेस में रहती थीं। जय विलास पैलेस के आगे 5 स्टार होटल भी फेल है। आज भी लोग देश- विदेश से महल देखने आते है। जय विलास पैलेस को 1874 में ग्वालियर रियासत के महाराज जीवाजी राव सिंधिया ने इसे बनवाया था। कहा जाता है कि इस पैलेस को बनाने के लिए 12 साल से ज्यादा का समय लग गया था।

### तीन मंजिला है जय विलास पैलेस

पहली मंजिल- तस्कीन शैली
दूसरी मंजिल -इतावली डोरिक शैली
तीसरी मंजिल- कोरोथियन शैली

महल में चांदी की ट्रेन और 3300 किलो का झूमर

जानकारी के अनुसार महल के अंदर कई तरह के झूमर लगे है। झूमर का वजन साढ़े तीन हजार किलो है। यहां आने वाले मेहमानों को आज भी चांदी की ट्रेन से खाना परोसा जाता है। भारत की राष्ट्रपति जब सिंधिया राजघराने के महल में आई थीं, तब उन्हें भी इसी ट्रेन से खाना परोसा गया था। .

### सौम्य स्वभाव था उनकी पहचान

कहा जाता है कि माधवी राजे सिंधिया सरल और सौम्य स्वभाव की थी। उनके घर में आने वाले सभी महमानों के साथ वो सरलता से मिलतीं और सबका आदर और स्वागत करती थी। यह उनके नेचर में था।

# राजमाता माधवी राजे नहीं रहीं...सास और फिर आठ महीने बाद पति को खोया, बेटा चुनाव हारा, हर समय परिवार को संभाले रखा

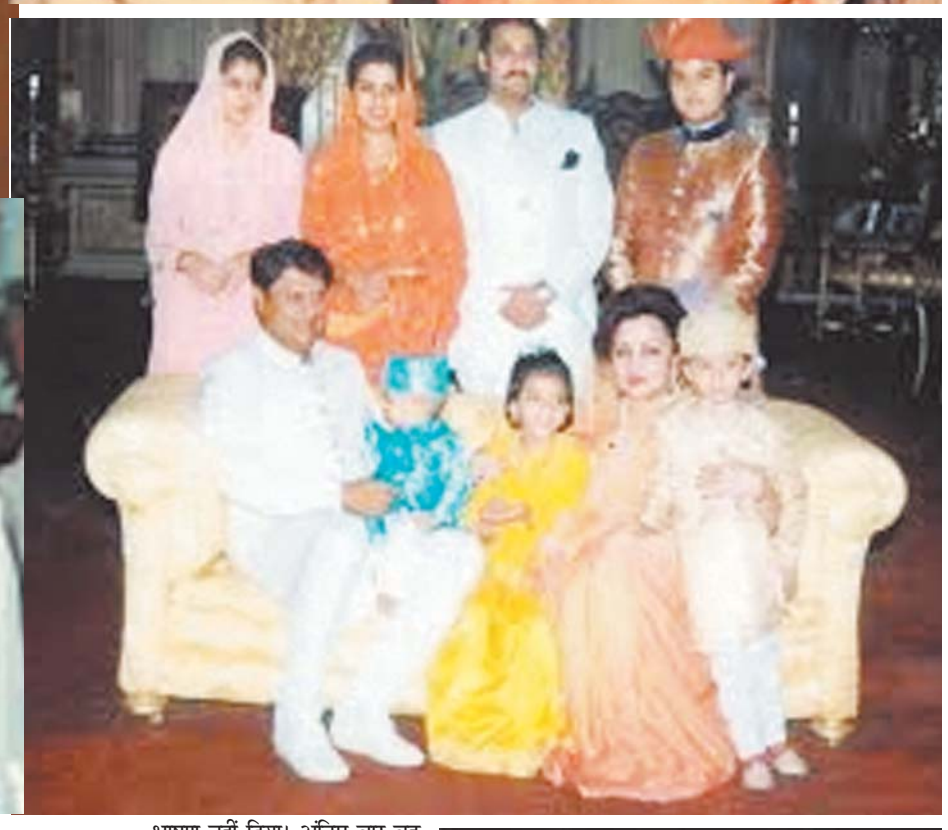

25 जनवरी 2001 में सास राजमाता विजयाराजे सिंधिया का निधन हुआ फिर आठ महीने बाद 30 सितंबर 2001 में पति व पूर्व केन्द्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया के निधन के बाद कैसे उन्होंने परिवार को संभाला। पति के निधन (साल 2001) व बेटे ज्योतिरादित्य के लोकसभा चुनाव हारने (2019) जैसे विपरीत समय में वही अकेली थीं, जो सिंधिया परिवार को संभाले व एक धागे में पिरोकर रखे हुए थीं। चलिए, सिंधिया परिवार के कुछ करीबियों से जानते हैं कि राजमाता माधवी राजे ने किस तरह परिवार को संभाला।आठ महीने में सास फिर पति को खोया, बढ़ गई जिम्मेदारी

राजमाता माधवी राजे कभी किसी विवाद में नहीं रहीं। उनका जीवन राज परिवार में रहने के बाद भी जीवन की चुनौतियों से संघर्ष करता रहा है। पहले सास और पति के बीच मतभेद में वह हमेशा उनके बीच सेतु के रूप में काम करती रहीं। इसके बाद 25 जनवरी 2001 में सास विजयाराजे सिंधिया के निधन के बाद उन पर राजमाता की जिम्मेदारी आ गई, पर उस समय पति माधवराव मुखिया के तौर पर उनके साथ थे। पर जिंदगी में घुमाव उस समय आया, जब सास के निधन के आठ महीने बाद ही 30 सितंबर 2001 को प्लेन क्रेश में उन्होंने ग्वालियर के महाराज व पति माधवराव सिंधिया को भी खो दिया। इस समय भी उन्होंने खुद को संभाले रखा। परिवार को बिखरने से बचाया।

### बेटे के दल बदलने के समय बीमार थीं, पर मार्गदर्शन किया

इसके बाद साल 2019 में उनकी जिंदगी में बड़ा घुमाव आया था। बेटा वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव हार गए थे। पहली बार सिंधिया घराने में कोई चुनाव हारा था। बेटे का मनोबल टूट गया था। उस समय माधवी राजे अस्वस्थ थीं, लेकिन उन्होंने बेटे का मार्गदर्शन किया। उसे बिखरने से बचाते हुए सम्मान के लिए कुछ भी कर जाने के लिए प्रेरित किया। जिसके बाद ज्योतिरादित्य ने मार्च 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

### राजनीति की अटकलों पर लगाया समाज सेवा का विराम

सितंबर 2001 में पति माधवराव सिंधिया के निधन होने के बाद राजमाता माधवी राजे के राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई थीं, क्योंकि पति के निधन से आठ महीने पहले उनकी सास व राजमाता विजयाराजे सिंधिया भी दुनिया से विदा हो चुकी थीं। ऐसे में सिंधिया परिवार से राजनीति में सास की तरह आने के लिए माधवी राजे की अटकलें तेज हो गई थीं, लेकिन उन्होंने दादी और पिता की राजनीतिक विरासत बेटे ज्योतिरादित्य के लिए छोड़ते हुए समाजसेवा चुनकर राजनीतिक अटकलों पर विराम लगा दिया।

### आज ज्योतिरादित्य सिंधिया जो हैं, उसमें राजमाता की भूमिका अहम है

सिंधिया परिवार के करीबी व मराठा समाज के स्तंभ बाल खांडे ने बताया कि जब कैलाशवासी माधवराव सिंधिया का निधन हुआ तो राजमाता ने एक परिवार के मुखिया के तौर पर पूरी जिम्मेदारी संभाली। ज्योतिरादित्य सिंधिया के हर फैसले के पीछे वही खंडी थीं। राजनीति में आने के बारे में कभी नहीं सोचा। समाजसेवा को ही अपना मार्ग बनाया। आज केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जो भी हैं उसके पीछे उनकी मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का बड़ा योगदान हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में परिवार को साधे रखा।

### गुना से विशेष लगाव रहा

माधवी राजे सिंधिया का गुना से विशेष लगाव रहा। वे अक्सर अपने पति माधवराव सिंधिया और उनके बाद पुत्र ज्योतिरादित्य सिंधिया के चुनाव में गुना आया करती थीं। हालांकि, उन्होंने किसी चुनावी सभा में कभी भाषण नहीं दिया। अंतिम बार वह 2009 के लोकसभा चुनाव में गुना आई थीं। इसके अलावा वे एक दो बार दूसरे कार्यक्रमों में भी गुना आईं। गुना में केवल दो ही परिवार हैं, जिनके घर वह गईं। एक पूर्व मंत्री स्व शिवप्रताप सिंह और दूसरे पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया। इन दोनों के घर पर ही वह गईं। चुनाव के दौरान कई बार गुना आईंज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी वरिष्ठ नेता योगेंद्र लुंबा ने बताया कि 2009 के लोकसभा चुनाव तक वह सतत सिंधिया परिवार के चुनाव में भागीदारी करने के लिए गुना क्षेत्र में

आती थीं। उनका जनता से जुड़ने का अपना एक तरीका था। जनता के बीच में अपनी बात रख कर जनता से जुड़ती थीं। उनका क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के प्रति बड़ा मानवीय रुख रहता था। मानवीय संवेदनाओं से समस्याओं के निराकरण के लिए वह अपने स्तर पर प्रयासरत रहा करती थीं।

## 4-5 दिनों में रासी-659 कपास बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होगा

**खरगोन।** उप संचालक कृषि श्री एम. एल. चौहान ने जिले के समस्त किसान बंधुओं से अनुरोध किया है कि रासी कपास किस्म-659 का वितरण अनाज मण्डी प्रांगण खरगोन से बीज की उपलब्धता अनुसार टोकन के माध्यम से किया गया है। वर्तमान में रासी कपास किस्म 659 की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में नही होने के कारण अनाज मण्डी प्रांगण से टोकन वितरण का कार्य नही किया जावेगा। आगामी चार से पांच दिवस में रासी 659 कपास बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने की संभावना है। जिले में जैसे ही बीज उपलब्ध होगा. वैसे ही किसानो को पूर्व में सूचना दी जावेगी। किस्म विशेष के अतिरिक्त जिले में अन्य कम्पनियों की बीटी किस्में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिन्हे जिले के पंजीकृत विक्रेताओं से निर्धारित दर पर क्रय कर सकते हैं। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वर्तमान में जिले का तापमान सामान्य से अधिक है एवं गरम हवाएँ भी चल रही है, जिससे कपास बीज का अंकुरण एवं पौधो की बढ़वार पर विपरीत प्रभाव पड़ता हैं। जिससे फसल की स्थिति ठीक नही रहती है। अतः कपास की बुवाई 25 मई के बाद तापमान कम होने पर ही करें।

## पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 के लिए आय की घोषणा की

पुणे, एजेंसी। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (बीएसई-544141), एक प्रमुख कॉर्पोरेट ब्रोकिंग हाउस, ने 14 मई, 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में छमाह और 31 मार्च 2024 को समाप्त हो गए वर्ष के लिए ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी दे दी है। फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी छमाही में, कंपनी ने 855.05 लाख रुपये का पीबीटी रिपोर्ट किया, जो वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही की तुलना में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 816.04 लाख रुपये हुआ। शुद्ध लाभ 7.2 प्रतिशत बढ़ गया और 610.66 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली छमाही) से 654.93 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की द्वितीय छमाही) पहुंचा। वित्त वर्ष 24 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए, कंपनी का पीबीटी 37.1 प्रतिशत बढ़ गया, यह 1218.73 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 1671.11 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हो गया। शुद्ध लाभ 31.2 प्रतिशत बढ़ गया और 964.52 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 1265.60 लाख (फाइनेंशियल ईयर 24) पहुंचा।

## सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड-जम्मू-कश्मीर से एक अनुबंध प्राप्त किया

**मुंबई, एजेंसी।** सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (बीएसई: 543688, एनएसई) को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसे जम्मू और कश्मीर में प्रतिष्ठित श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से एक महत्वपूर्ण अनुबंध से सम्मानित किया गया है। इस अनुबंध के तहत, सर्वेश्वर फूड्स प्रसिद्ध तीर्थस्थल पर अपने प्रीमियम स्टीम्ड बासमती राइस की आपूर्ति करेगा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जो उसके हाई-क्वॉलिटी प्रोविजन देने के डेडीकेशन के लिए विख्यात है, ने सर्वेश्वर फूड्स को बासमती राइस के एक ट्रस्टिड सप्लायर के रूप में चुना है। यह चयन सर्वोत्तम बासमती चावल प्रदान करने में उत्कृष्टता और विश्वसनीयता के लिए सर्वेश्वर फूड्स की प्रतिष्ठा को रेखांकित करता है और गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन श्री रोहित गुप्ता ने कहा कि, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा हमारे स्टीम्ड बासमती राइस की आपूर्ति के लिए चुने जाने से हम उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

## क्लाइमेट चैंपियनों की पीढ़ी का निर्माणः महिन्द्रा युनिवर्सिटी यूनेस्को की ग्रीनिंग एजुकेशन पार्टनरशिप में शामिल हुई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने ग्रीनिंग एजुकेशन पार्टनरशिपपहल का हिस्सा बनने के लिए संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के साथ अपनी रणनीतिक साझीदारी की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा के जरिए जलवायु पर काम करने की जरूरत को समझना और उस दिशा में काम करना है। इस साझीदारी के तहत जलवायु परिवर्तन को मौजूदा शिक्षा तंत्र और पाठ्यक्रम में एकीकृत कर एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाना है। यह भारत और दुनियाभर में अन्य संस्थानों के लिए एक मॉडल के तौर पर काम करेगा। ग्रीनिंग एजुकेशन पार्टनरशिप जलवायु संकट से प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए सीखने वालों को आवश्यक ज्ञान, कौशल और अन्य दृष्टिकोण से युक्त करने के वैश्विक प्रयास में एक मील का पत्थर है।

## सशक्त आर्थिक विकास के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया

मुंबई एजेंसी। सीए विक्रम बजाज द्वारा प्रवर्तित मुंबई स्थित बीएसई सूचीबद्ध कंपनी ग्रोइंगटन वेंचर्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई - 539222) का लक्ष्य आने वाले समय में सशक्त आर्थिक विकास हासिल करना है। कंपनी ने दिसंबर 2023 को समाप्त वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही और नौमाही के लिए उत्कृष्ट वित्तीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की नौमाही में अर्जित 9.04 करोड़ रुपए के मुकाबले साल-दर-साल 163 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23.81 करोड़ रुपए का कुल राजस्व अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2024 की नौमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 328 प्रतिशत बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये हो गया जो कि गत वर्ष की समान अवधि में 40.88 लाख रुपए था। नवंबर 2023 में, कंपनी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के मैनबोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। कंपनी को इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी भी मिल गई थी। कंपनी ने 15 जुलाई की बोर्ड बैठक में बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई लिमिटेड के मैनबोर्ड में कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग/ट्रेडिंग के माइग्रेशन को मंजूरी दे दी थी। पनी ने इक्विटी शेयर की फेसवैल्यू फुल्ली पेडअप 10 रुपये के मुकाबले फुल्ली पेडअप 1 रुपए कर 1 इक्विटी शेयर को 10 शेयरों में उप-विभाजित कर दिया, जैसा कि 17 जनवरी, 2024 को पोस्टल बैलेट के माध्यम से शेयरधारकों द्वारा अनुमत किया गया।

## मोबिक्विक ने लॉन्च किया डेली गोल्ड सेविंग्स प्लान

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सोना बचत के लिये पारंपरिक रूप से सबसे पसंदीदा साधनों में से एक रहा है और भारतीय संस्कृति की जड़ों में रचा-बसा है। फिनटेक कंपनी, वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड (मोबिक्विक) ने डेली गोल्ड सेविंग्स प्लान को लॉन्च करने की घोषणा की है। नया पेश हुआ डेली गोल्ड सेविंग्स प्लान अपने यूजर्स को रोजाना थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बचत करने की सुविधा प्रदान करता है। यह वित्तीय समझदारी की संस्कृति को बढ़ावा देता है और धीरे-धीरे धन जमा करना आसान बनाता है। मोबिक्विक अपने यूजर्स को बचत में अनुशासन के लिये प्रोत्साहित कर रही है, जिससे लंबी अवधि में फायदे मिलेंगे। यूजर्स दैनिक, मासिक या एकमुश्त एसआईपी में से चुनाव कर सकते हैं, लेकिन दैनिक एसआईपी प्लान लघु बचत की सुविधा है। डेली गोल्ड सेविंग्स प्लान की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक यह है कि 51 रूपये से ज्यादा की रोजना एसआईपी करने वाले यूजर्स एक एसआईपी की कीमत पाने के पात्र होंगे जिसे हर तिमाही कवर किया जाएगा। अपने इससे उन्हें अपने वित्तीय लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

# आदमखोर हुऐ वन्य जीव, तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए गए बुजुर्ग पर किया हमला मौके पर हुई मौत

**दैनिक संध्या प्रकाश संवाददाता -(सुरेश केवट)** - बुधवार को नीमखेड़ा निवासी 58 वर्षीय मनीराम जाटव की वन्य पशु के हमले में मौत हो गई ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन अमले को तुरंत दी जिसके बाद वन विभाग के आल्हा अधिकारी मौके पर पहुचे और वन्य जीव के पद चिन्हो की पहचान मे जुट गाये बही पुलिस ने शब की सिनाख्त नीमखेड़ा निवासी 58 वर्षीय मनीराम जाटव के रूप मे की मनीराम नीमखेड़ा के जंगलों मे तेन्दु पत्ते का संग्रहण करने के लिया गया हुआ था देर शाम तक बुजुर्ग के घर ना आने पर परिजनों ने बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी जिसके बाद दुपहर लगभग 4 बजे मनीराम का शब नीमखेड़ा के जंगलों मे मिला शब पर वन्य जीव के हमले के घातक निशान देखे गाये

रायसेन जिले के सामान्य वन मंडल के अंतर्गत आने वाली पूर्व रेंज की नीमखेड़ा बीट पर बीती रात नीमखेड़ा निवास 58 वर्षीय मनीराम जाटव की वन्य पशु के हमले में मौत हो गई इस क्षेत्र में अक्सर टाइगर का मूवमेंट बना रहता है घटना के बाद वन अमलेश सहित पुलिस का दस्ता मौके पर पहुंचा शब की सिनाख्त करने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

बता दे की पिछले कुछ महीनों से रायसेन सामान्य वन मण्डल की पूर्व और पच्छिम रेंज मे रातापानी अभ्यारण से आए हुए युवा टाइगर का मूवमेंट बना हुआ है वह इस क्षेत्र में तेंदुए को आए दिन देखा जाता है ऐसे में ग्रामीणों द्वारा कयास लगाया जा रहा है कि मृतक के ऊपर टाइगर ने हमला किया है वही ग्रामीणों को डर है कि वन्य जीव अब आदमखोर हो गए हैं ऐसे में लोगों का अकेले जंगल में जाना खतरे से खाली नहीं है

इस संबंध में वन विभाग के उपवन मंडल अधिकारी सुधीर पटले ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात नीमखेड़ा निवासी मनीराम जाटव पर वाइल्डलाइफ एनिमल द्वारा हमला किया गया है वन्य जीव के खतरे को देखते हुए ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि वह तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान वन क्षेत्र में अकेले ना जाएं अगर कहीं पर भी टाइगर दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत ही वन विभाग को दें

बाइट -सुधीर पटले ह्यस्त्रश वन विभाग रायसेन

## रचनात्मकता,सृजनशीलत आदि कौशलों के लिए लाभदायक है समर कैम्प

मण्डला--जिले के मण्डला विकासखण्ड अंतर्गत पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल सेमरखापा मैं दिनांक 01 मई से 15 मई तक समर कैंप का आयोजन किया गया द्य जिसमें माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अपनी सहभागिता दी गई द्यसमर कैम्प के आयोजन से बच्चों में रचनात्मकता, सृजनशीलता एवं कला आदि कौशलों के विकासकी कड़ी में विद्यालय के प्राचार्य अखिलेश चंद्रौल द्वारा अपनी देख-रेख में समर कैंप का आयोजन किया गया द्यप्रदेश के 89 पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों मेंअकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभा को पहचान कर उनकी रूचि को निखारने केलिए विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन शाला स्तर पर संचालित किया गया था।इसकेआयोजन से विद्यार्थियों में रचनात्मक सृजनशीलता कला कौशल के विकास के साथ हीसाथ 21वीं सदी के विभिन्न कौशलों जैसे टीमवर्क,समस्या समाधान,आपसी सामंजस्य,तार्किकता आदि के गुणों का भी विकास हुआ ।

पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल सेमरखापा में समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने योगा,मिट्टी के खिलौने,लीफ आर्ट (पत्तीकला),कढाई, बुनाई,नृत्य,प्रहसन / ड्रामा,मूक प्रहसन,ड्राइंग, लेखनकला,पेंटिंग,समूह चर्चा,भाषण कला, अभिव्यक्ति,कौशल,गायन,वादन,इन्डोर गेम,आउट डोरगेम,बेसिक कम्प्यूटर से संबंधित सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कार्य कुशल मार्गदर्शक शिक्षकों की देखरेख में किया एवं अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया विद्यालय के शिक्षक पवन कुमार नामदेव,कमलेश कुमार हरदहा, के. के. हरदहा,अनुसुईया मार्को,गीता चौकसे,आनंद नामदेव,सौरभ पटेल,निशम पटेल,एहतेशाम नूर, प्रभात मिश्रा,निधेश पटेल ,कविंद्र सुरेश्वर , अमिता पटेल द्वारा समर कैंप को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया गया द्य समर कैंप के दौरान शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंडला के प्राचार्य आर एस वरकडे से अनुरोध कर काउंसलिंग के लिए प्रशिक्षण अधिकारियों को भेजने का निवेदन संस्था के प्राचार्य अखिलेश चन्द्रोल द्वारा किया गया जिसके परिपेक्ष्य में प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री वैशाली एवं हर्षिका ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रवेश की प्रक्रिया, विभिन्न ट्रेडों की जानकारी और भविष्य में रोजगार या स्वरोजगार के अवसरों की संभावना पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला है।

## दमोह पुलिस ने बैंक में हुई 41 लाख की लूट का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

### कर्ज चुकाने के लिए बैंक कर्मी ने दोस्तों के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम

दमोह मध्यप्रदेश पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आपराधिक तत्वों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में दमोह पुलिस ने थाना मगरोन के अंतर्गत फतेहपुर के मध्यांचल ग्रामीण बैंक में हुई 41 लाख रुपये से अधिक की लूट का चंद घंटों में ही खुलासा कर दिया है। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे रकम भी बरामद कर ली है। दमोह पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल, कट्टा, मोबाइल और बैंक से लूटी हुई कुल रकम 41,23,327 रुपये जब्त किए हैं। थाना मगरोन में अपराध क्रमांक-97/24 धारा 394 भादवि का मामला दर्ज किया गया। आरोपियों में फतेहपुर निवासी रोहित पिता हरिनारायण विश्वकर्मा (25 वर्ष), पिपरिया घनश्याम निवासी दुर्गेश उर्फ कमलेश पिता कल्लू काछी (25 वर्ष) और फतेहपुर निवासी देवी उर्फ दिव्वल पिता लोटन काछी (23 वर्ष) शामिल हैं।

दरअसल, बैंक के शाखा प्रबंधक कपिल रैकवार 14 मई 2024 को शाम 8 बजे फतेहपुर चौकी पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि शाम करीब 7 बजकर 45 मिनट पर वह अपने बैंक के साथी हरिनारायण विश्वकर्मा के साथ देहात स्थल का निरीक्षण कर बैंक पहुंचे तो बैंक के संदेश वाहक रोहित विश्वकर्मा ने उन्हें लूट की जानकारी दी। रोहित ने प्रबंधक को बताया कि कुछ बदमाश मुंह पर कपड़ा बांध कर आये थे और मुझे कट?टा दिखाकर मेरे साथ मारपीट की। वे बैग से चाबी निकाल कर तिजोरी (सेफ) में रखी बैंक की कुल रकम 41,23,327 रुपये लूट कर ले गए।

शाखा प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। सागर जोन के आईजी प्रमोद वर्मा, सागर रेंज के डीआईजी सुनील जैन और एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी के मार्गदर्शन में तत्काल टीम गठित कर जांच-पड़ताल शुरू की गई। दमोह में नाकाबंदी कर बैंककर्मियों से पूछताछ की गई। जांच के दौरान संदेशवाहक रोहित के कथनों और प्राप्त साक्ष्यों में विरोधाभास पाया गया। कई घंटों की पूछताछ के बाद रोहित ने अपने दोस्तों दुर्गेश और देवी के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

रोहित ने पुलिस को बताया कि उसके ऊपर बहुत कर्ज था, जिसको चुकाने के लिये उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। वह इस फिराक में था कि अधिक से अधिक रकम निकाली जा सके। उनसे यह भी स्वीकार किया कि उसे आई चोट भी स्वयं द्वारा कारित की गई है।

पुलिस द्वारा गठित टीम में दमोह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा,पथरिया के एसडीओपी रघु केशरी, हटा के एसडीओपी नीतेश पटेल और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की सायबर टीम, फोटोग्राफी और फोरेंसिक टीम शामिल थीं।

## आइकॉनिक फर्स्टः माईट्राइडेंट ने शर्मिला टैगोर और करीना कपूर खान को साथ लाकर होम डेकोर स्पेस को किया रिडिफाइन

दिल्ली, एजेंसी। माईट्राइडेंट होम डेकोर उद्योग में नए मानक स्थापित करते हुए अपने लेटेस्ट कैंपेन को पेश करने के लिए उत्साहित है, जिसमें ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर खान के साथ प्रतिष्ठित शर्मिला टैगोर भी अभिनय करती नजर आएंगी। यह असाधारण सहयोग सास और बहू के बीच सामंजस्यपूर्ण और सुरुचिपूर्ण रिश्ते को उजागर करता है, जो आमतौर पर ब्रांड कैंपेनों में सामान्यतः प्रस्तुत किए जाने वाले पारंपरिक कहानियों से अलग है। यह पहल रचनात्मक कहानी की सार्थकता में नए मानकों को स्थापित करती है, जो समकालीन पारिवारिक रिश्तों के विकास का जश्न मनाती है।

सिनेमैटिक शैली तैयार किए गए इस कैंपेन में पुनीत मल्होत्रा के नेतृत्व में धर्मा 2.0 द्वारा निर्मित एक आकर्षक टेलीविजन विज्ञापन प्रस्तुत किया गया है, जो करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर के बीच की बेहतरीन केमिस्ट्री को दर्शाता है। दोनों अनुग्रह और परिष्कार बिखेरते हुए अपने घर की शानदार सजावट में डूबते हुए, माईट्राइडेंट के प्रीमियम होम एसेंशियल्स प्रदान की जाने वाली समृद्धि और आराम के बीच विलासिता का आनंद लेती हैं। यह अद्वितीय सहयोग न केवल उनके सहज आकर्षण का जश्न मनाता है,

यह कैंपेन समकालीन भारतीय परिवार के लिए एक उल्लासपूर्ण श्रद्धांजलि का प्रतीक है, जो स्टीरियोटाइप को पार करते हुए समावेशिता की टेपेस्ट्री को अपनाता है। करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर, परिष्कार, लालित्य और कालातीत आकर्षण के सर्वोत्कृष्ट अवतार, हमारे ब्रांड के सार के साथ गहराई से मेल खाते हैं। माईट्राइडेंट में, हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर घर लालित्य और आराम के परिवर्तनकारी स्पर्श का हकदार है जो हमारी पेशकश है। हमारे लेटेस्ट कैंपेन में करीना कपूर खान और शर्मिला टैगोर की समरस एकता के माध्यम से, हमारा मिशन परिवारों एक ज्योति जलाना है, उन्हें अपने बंधनों की स्वाभाविक सुंदरता को ग्रहण करने और वास्तविक रूप से उन्हें मनचाहे तरीके के जीने के लिए प्रोत्साहित करना है। नेहा गुप्ता बेक्टर, चेयरपर्सन, माईट्राइडेंट कहती हैं।

## मरीज के पास समय से पहुंचे एम्बुलेंसः कलेक्टर

**छतरपुर।** कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, सहायक कलेक्टर कॉजोल सिंह, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, बीएमओ सहित संबंधित सदस्य डॉ. उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में आशा एवं स्टाफ नर्स भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर श्री जी.आर. ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल एवं मरीजों के डाटा का डिजिटलाइजेशन मैनेजमेंट सिस्टम में और सुधार करें। साथ ही आने वाले प्रत्येक मरीज का उपचार आयुष्मान में दर्ज करते हुए करें।

### न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चीचली वृत तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्रं. 6135/अ-6/023-24

**इश्तहार**

आवेदक दीपिका गुगलानी आ. पत्नी रवीश गुगलानी निवासी ग्राम बंजारी कोलार रोड भोपाल द्वारा ग्राम स्थिति खसरा नंबर/प्लाट नंबर 65,65, 86,88,89 व अन्य क्षेत्रफल 77.23 व.मी. पर विक्रय पत्र/फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 28.05.2024 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**तहसील कोलार जिला भोपाल**

## एचडीएफसी बैंक ने पिक्सेल पेश किया: डिजिटल क्रेडिट कार्ड्स की एक नई पीढ़ी

**मुंबई, एजेंसी।** भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज पिक्सेल के लॉन्च की घोषणा की है. यह डिजिटल मूल निवासियों के लिए डिज़ाइन की गई अपनी तरह की पहली एंड-टू-एंड मोबाइल ऐप है, जो डीआईवाई आधारित अनुकूलन योग्य डिजिटल कार्ड रेंज है। पिक्सेल को डिजिटल प्रवाह, अद्वितीय प्राथमिकताओं और विशिष्ट वित्तीय व्यवहारों वाली पीढ़ी के लिए तैयार किया गया है।

पिक्सेल डिजिटल क्रेडिट कार्ड श्रृंखला की अपनी तरह की पहली श्रृंखला है जो निर्बाध ऐप-आधारित जारी करने हेतु पूर्ण डिजिटल जीवनचक्र प्रबंधन, उपयोगकर्ता जुड़ाव और डिजिटल सर्विसिंग प्रदान करती है। इसके अलावा, पिक्सेल के माध्यम से, बैंक ग्राहकों को अपनी पसंदीदा श्रेणियां और पसंदीदा व्यापारी/प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि जोमाटो, मयंत्रा, बुक मई शो, मेक माई ट्रिप अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट आदि का चयन करने में सक्षम बनाकर उन्हें अनुकूलन और पसंद की शक्ति देता है। ऐसा करने पर ग्राहक इन व्यापारियों/प्लेटफ़ॉर्म से अपने खर्च पर आकर्षक कैशबैक अर्जित कर सकते हैं। वर्तमान और नए दोनों ग्राहक बैंक के पेज़ैप मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से पिक्सेल क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। पिक्सेल को 2 वेरिएंट में पेश किया जाएगा - पिक्सेल प्ले और पिक्सेल गो, दोनों कार्ड वेरिएंट 50 दिनों तक की क्रेडिट मुक्त अवधि की पेशकश करते हैं। पिक्सेल प्ले क्रेडिट कार्ड की पिक्सेल रेंज का अपना खुद का कार्ड बनाएं संस्करण है। यह अनुकूलन योग्य लाभ प्रदान करता है, जिससे ग्राहकों को त्वरित कैशबैक, कार्ड का रंग, साथ ही बिलिंग तिथि अर्जित करने के लिए व्यापारियों का चयन करने की शक्ति मिलती है। यह कार्ड उन उपयोगकर्ताओं के लिए है जो क्रेडिट कार्ड के लाभों का अनुभव करते हुए डिजिटल अनुकूलन की दुनिया में प्रवेश करना चाहते हैं।

पिक्सेल गो उन शुरुआती लोगों के लिए एक कार्ड है जो क्रेडिट कार्ड की दुनिया में प्रवेश करना चाहते हैं और पे-इन-पार्ट्स के माध्यम से भुगतान के लचीलेपन के साथ अपना क्रेडिट स्कोर बनाना चाहते हैं। एचडीएफसी बैंक पिक्सेल क्रेडिट कार्ड रेंज को वीज़ा भुगतान नेटवर्क पर लॉन्च किया जा रहा है। पिक्सेल कार्ड रेंज जल्द ही अतिरिक्त कार्ड नेटवर्क पर भी उपलब्ध होगी। अगली पीढ़ी की बैंकिंग टेक कंपनी ज़ेटा ने पिक्सेल के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता बनने के लिए बैंक के साथ साझेदारी की है। लॉन्च समारोह में बोलते हुए कंट्री हेड - पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग श्री पराग राव ने कहा, पिक्सेल

बैंकिंग समाधानों के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे डिजिटल नेटिव्स के साथ प्रतिध्वनित करने के लिए तैयार किया गया है। एचडीएफसी बैंक में हम इस डिजिटल-प्रथम क्रेडिट कार्ड को पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो लचीलापन और अनुकूलन प्रदान करता है। पिक्सेल के साथ हम सिर्फ एक उत्पाद लॉन्च नहीं कर रहे हैं, हम डिजिटल बैंकिंग के भविष्य को आकार दे रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी पेशकशें उन ग्राहकों की तरह गतिशील और नवीन हैं जिन्हें हम सेवा प्रदान करते हैं।

### न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चीचली वृत तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकरण क्रं. Rs/444/0760/6213/2024

**इश्तहार**

आवेदक साधना सिन्हा पत्नी सुधीर सिन्हा निवासी 54-A/04 MACT रोड साउथ टी.टी. नगर भोपाल द्वारा ग्राम बंजारी स्थित प्लाट नंबर D.K. 2/62B दानिश कुंज क्षेत्रफल 77.23 व.मी. पर विक्रय पत्र फौती/वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएवं आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 28.05.2024 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**तहसील कोलार जिला भोपाल**

## 18 मई को तीन दिवसीय प्रवास पर आयेंगे नकुलनाथ

**छिन्दवाड़ा।** जिले के युवा सांसद श्री नकुलनाथ का तीन दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। दिनांक 18 मई से 20 मई तक सांसद छिन्दवाड़ा प्रवास पर रहेंगे, इस दौरान वे विभिन्न सामाजिक आयोजनों में सम्मिलित होने के साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सांसद कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार सांसद नकुलनाथ का दिनांक 18 मई को प्रातः 10 बजे विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा तदोपरांत वे लोनिया करबल निवासी अमर शहीद श्री विक्की पहाड़े के निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवारजनों से भेंट करेंगे तदोपरांत सांसद श्री नाथ का शिकारपुर आगमन होगा। दोपहर 1 बजे सांसद का रंगारी सापर आगमन होगा जहां वे पूर्व विधायक स्व. श्री विट्ठल महाले के निवास पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। तदोपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

## सुमित भावरकर ने किया 36 वा रक्तदान

**छिंदवाड़ा।** रक्तदाता सुमित भावरकर छिंदवाड़ा निवासी ने जागते रहो ग्रुप संचालन रिकू चौरसिया आग्रह को सहर्ष स्वीकारते हुए जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में भर्ती मुजावर के मरीज कुंदन वायकर जी जिनका हीमोग्लोबिन 1.5 हो गया जोकि मरीज के लिए अत्यधिक खतरनाक होता है उन्हें बी पॉजिटिव रक्त लग रहा था उन्हें अपना अमूल्य स्वैच्छिक रक्तदान कर मरीज के प्राण बचाने में सहयोग प्रदान किया श्री भावरकर जी लगातार समाजहित में अपना 36 वा रक्तदान किया आप सभी समाजिक बंधुओं से आग्रह करते है जनहित में सदैव रक्तदान करने रहना चाहिए।

## अतिक्रमण के नाम गरीबों के साथ हो रहा अन्याय

छिंदवाड़ा। आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी रवि कोचे एवं जिला अध्यक्ष प्रदीप भाऊ जुलमे इनकी और से जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर मांग की है, अतिक्रमण द्वारा रोड किनारे पर गरीब लोगो की दुकानें हटाकर निगम प्रशासन गरीब जनता पर अन्याय और उनका शोषण कर रही है इसके विरोध में जिला अध्यक्ष प्रदीप भाऊ जुलमे एवम जिला प्रभारी रवि कोचे ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।जिला अध्यक्ष प्रदीप भाऊ की मांग है की शहर में सालो से सड़क किनारे दुकानें लगाई जाती आई है,और उन दुकानदारों से सालों से निगम प्रशासन द्वारा टैक्स के नाम पर करोड़ों रुपए ठेके नाम से वसूले जा चुके हैं।फिर अब अतिक्रमण के नाम पर उनकी दुकानें उठाई जा रही है।जो बिचारे गरीब दुकानदार अपने रोज मरा की जरूरतों को पूरा करने और किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं।लेकिन इस अतिक्रमण की वजह से शहर के हजारों दुकानदरों के परिवार पर भूखे सोने की नौबत निगम प्रशासन ने लाई है। इसके एवज में निगम द्वारा उनकी किसी और जगह पर भी व्यवस्था नहीं बनाई गई ।इसका मतलब लोगो के जिंदगी से निगम और प्रशासन को किसी भी प्रकार से कोई वास्ता नहीं है इसका मतलब निगम प्रशासन मिलकर गरीब दुकानदारों पर अन्याय एवं उनका शोषण कर रही हैअगर इनके दुकानों की और इनके परिवार की सुरक्षा निगम प्रशासन की नही है तो किसकी है?इतने सालो से उनसे टैक्स क्यों लिया गया? इसका जवाब निगम प्रशासन दे।

## सोनू गुप्ता की रिपोर्ट पर नहीं हो रही कार्यवाही

**परासिया।** कोयलांचल क्षेत्र में परासिया रहने वाले व्यक्ति सोनू उर्फ धर्मनाथ गुप्ता पिता अर्जुन गुप्ता उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 4 सरकारी अस्पताल के पीछे सोनू गुप्ता ने बताया कि परासिया निवासी ड्राईवर है जो गुप्ता की गाड़ी क्र. एलएक्स एमपी 28 जेडएफ 2637 को 11-4-2024 को गाड़ी बुकिंग में लेकर गाढरवाडा जिला सिवनी बोल कर

ले गया था और दूसरे दिन गाड़ी लाया जिसमें की गाड़ी भाड़ा व पेट्रोल के रुपये नही दिया एवं गाड़ी की ऐन आर सी वैक्यूम क्लीनर भी चोरी करके ले गया मागने पर टाला मटोली किया उसके बाद गली गलोंच कर धमकी देने लगा था तो जिसकी रिपोर्ट 29 तारिख को थाना परासिया में दर्ज करायी गयी थी लेकिन बताया यह भी गया कि पुलिस कार्रवाई तो कर रही है पर उचित कार्रवाई अभी तक नही कर पाई ।

# अवैध कोयला परिवहन पर 17 लाख फाइन

## अवैध परिवहन में संलिप्त ट्रक भी खनिज सहित राजसात

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत एक प्रकरण में वाहन चालक प्रदीप माठे पिता महेश माठे निवासी ग्राम पालाखेड़ तहसील मोहखेड़ जिला छिंदवाड़ा के द्वारा म.प्र.खनिज ( अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण ) नियम 2022 के अनुसार कोयला खनिज का अवैध परिवहन करने और अवैध परिवहन का उल्लंघन प्रमाणित होने पर प्रावधान अनुसार अनावेदक वाहन मालिक रविशेखर मिश्रा पिता विनय मिश्रा निवासी कमला भगवानदास खण्डेलवाल हनुमान नगर, वार्ड नंबर-5 कन्हान पिपरी नागपुर (महाराष्ट्र) पर अर्थशास्ति और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कुल शास्ति राशि की दुगुना राशि 18 लाख 770 रुपए अधिरोपित की गई है। साथ ही अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन ट्रक क्रमांक एम.एच. 40 सी डी 8265 को खनिज सहित राजसात किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि खनिज अधिकारी छिंदवाड़ा के माध्यम से कलेक्टर न्यायालय में कोयला खनिज के अवैध परिवहन के संबंध में एक प्रकरण प्राप्त हुआ था। जिसमें थाना प्रभारी मोहखेड़ के पत्र दिनांक 01 फरवरी 2023 के अनुसार ग्राम पालाखेड के भ्रमण के दौरान ट्रक क्रमांक एम.एच. 40 सी डी 8265 मय खनिज से वाहन चालक प्रदीप माठे द्वारा अवैध कोयला का परिवहन करते हुए पाए जाने पर वाहन को जप्त कर थाना मोहखेड़ में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया था। प्रकरण में प्रभारी खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं अनावेदक वाहन मालिक द्वारा प्रस्तुत जवाब, तर्क एवं संलग्न दस्तावेजों का सूक्ष्मता से परिशीलन एवं अवलोकन करने के उपरांत म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अध्याय 5 नियम 19 के अनुसार अनावेदक द्वारा कोयला खनिज का अवैध परिवहन पाये जाने पर नियमानुसार 5,00358 रुपए की अर्थशास्ति, 4,00000 रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति, 1000 रुपए की प्रशमन राशि को मिलाकर कुल शास्ति मय प्रशमन शुल्क 9,01,358 रूपये अधिरोपित करने हेतु प्रस्तावित किया गया। लेकिन अनावेदक द्वारा प्रशमन स्वीकार नहीं किए जाने के कारण नियम के प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति एवं पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के कुल योग 9 लाख 385 रुपए की दुगुना राशि 18 लाख 770 रूपए की शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही नियम के अध्याय 5 नियम 19 ( 5 ) के प्रावधानों के अनुसार वाहन ट्रक क्रमांक एम.एच. 40 सीडी- 8265 को शासन के हित में खनिज सहित राजसात करने के आदेश भी पारित किये गये हैं। उन्होंने खनि अधिकारी को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार वाहन का पंजीयन निरस्त करने, शास्ति की राशि निर्धारित मद में शासन के पक्ष में जमा कराई जाने की अग्रिम कार्यवाही करने और आरोपित शास्ति की राशि की प्रविष्टि अर्थदण्ड पंजी में कराये जाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही निर्धारित प्रावधानों के अनुसार राजसात वाहन और जप्तशुदा खनिज को पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के अंतर्गत नीलाम करने और अपील अवधि के बाद नियमानुसार नीलामी की जाकर नीलामी से प्राप्त राशि शासन के निर्धारित मद में चालान द्वारा जमा किये जाने के आदेश भी पारित किये गये हैं।

## छिंदवाड़ा में हुआ सर्वाधिक मतदान

### छिंदवाड़ा को बनाया प्रदेश में नंबर 01

छिन्दवाड़ा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा क्षेत्रों में चार चरणों की मतदान प्रक्रिया पूरी हो गई है। मंगलवार को चुनाव आयोग ने चारों चरणों के आंकड़े जारी कर दिए हैं। चार चरणों में प्रदेश में 66.87 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जिसमें पुरुष मतदाताओं का मतदान 69.37 प्रतिशत एवं महिला मतदाताओं का मतदान 64.24 प्रतिशत रहा। चारों चरणों की वोटिंग में प्रदेश में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाड़ा में 79.83 दर्ज किया गया है, जिसमें पुरुष मतदाताओं का मतदान 81.23 प्रतिशत एवं महिला मतदाताओं का मतदान 78.40 प्रतिशत रहा। यह मतदान प्रतिशत केवल ईवीएम से हुए मतदान का है, जो पोस्टल बैलेट का मत प्रतिशत जुड़ने पर और अधिक हो सकता है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के साथ ही प्रदेश में सर्वाधिक मतदान के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री शीलेन्द्र सिंह ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाड़ा के दोनों जिलों छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं को बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

## पद्मश्री नृत्यांगनाओं की छिंदवाड़ा में पहली बार होगी शास्त्रीय नृत्य जुगलबंदी

**छिंदवाड़ा।** प्रसिद्ध नृतिका पद्मश्री लीला सैमसन ( चैन्नई ) भरतनाट्यम नृत्य एवं पद्मश्री माधवी मुद्गल( दिल्ली ) उड़ीसी नृत्य की जुगलबंदी प्रस्तुति छिंदवाड़ा में देंगी। 'कला संगम नृत्य महोत्सव 2024' का आयोजन 16 एवं 17 जून को सतपुड़ा लॉ कॉलेज मोहन नगर छिंदवाड़ा में किया जा रहा है। इस वर्ष 15 से अधिक कलाकार विभिन्न शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति देंगे । ज्ञात हो कि कुमारी लीला सैमसन को सन् 1990 में पद्मश्री प्रदान किया गया था। अप्रैल 2011वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की अध्यक्षा नियुक्त की गयीं थी। शास्त्रीय कला संस्थान 'कलाक्षेत्र' की निदेशक रहीं हैं तथा संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष भी रहीं हैं। आयोजक संस्था कला संगम शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत महोत्सव समिति छिंदवाड़ा के निदेशक भरतनाट्यम नृत्य गुरु अमित डोले ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिवस 16 जून को ब्रघा बेसेल (चैन्नई ) , राधिका वैरालवन ( चैन्नई) तथा अमित डोले ( चैन्नई) भरतनाट्यम नृत्य की एवं कलाक्षेत्र के पूर्व छात्र गायत्री अरविंद, आर्चा शाजूकुमार, निशिता जोशी, सृष्टि लोया, जिसमा सुब्रह्मण्यम , अतुल पथोमस, श्रीरंजनी एन. एस , अमृताश्री बालाजी समूह नृत्य की प्रस्तुति देंगे। दूसरे दिवस 17 जून को मोनिशा नायक ( दिल्ली ) कत्थक नृत्य , लोकेश राज ( चेन्नई )भरतनाट्यम तथा पद्मश्री नृत्यांगनाएं लीला सैमसन भरतनाट्यम तथा माधवी मुद्गल ओडीसी नृत्य जुगलबंदी प्रस्तुत करेंगी ।समस्त जिले वासियों से निवेदन है कि छिंदवाड़ा में पहली बार हो रहे इस शास्त्रीय नृत्य के अनूठे कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति , सहभागिता एवं सहयोग अवश्य करें।

## हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम 2023-24 के अंतर्गत प्रदेश में जिला छिन्दवाड़ा रहा अव्वल

**छिन्दवाड़ा।** शैक्षणिक सत्र 2023-24 में केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम 2023-24 के अंतर्गत जिले में संचालित 04 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम कुल 85.12 प्रतिशत रहा है। एकलव्य विद्यालय जुन्नारदेव का 98.12 प्रतिशत रहा है। एकलव्य विद्यालय तामिया का 86 प्रतिशत, एकलव्य विद्यालय हर्रई का 84.85 प्रतिशत एवं एकलव्य विद्यालय सिंगारदीप बिछुआ का 71 प्रतिशत रहा है। इसी प्रकार कक्षा 10वीं का परीक्षा परीणाम कुल 94.03 प्रतिशत रहा है। एकलव्य विद्यालय जुन्नारदेव का 100 प्रतिशत, एकलव्य विद्यालय हर्रई 99 प्रतिशत, एकलव्य विद्यालय सिंगारदीप बिछुआ 96 प्रतिशत, एवं एकलव्य विद्यालय तामिया 81 प्रतिशत रहा है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिन्दवाडा श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम ने बताया कि भोपाल द्वारा जारी सूची में छिन्दवाडा जिले में संचालित कक्षा 12वी में एकलव्य विद्यालय जुन्नारदेव, सिंगारदीप, हर्रई का नाम टॉप 10 की सूची में शामिल है। मध्यप्रदेश में छिन्दवाडा जिला अव्वल रहा है। इसी प्रकार आयुक्त द्वारा जारी टॉप 10 की सूची में कक्षा 10वीं में एकलव्य विद्यालय जुन्नारदेव ने 5वां स्थान प्राप्त किया है।

## आज मनाया जायेगा राष्ट्रीय डेंगू दिवस

## जानें डेंगू के लक्षण व डेंगू से बचने के उपाय

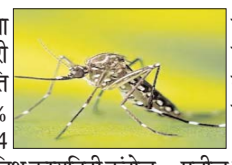

**छिन्दवाड़ा।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी.चौरसिया ने बताया कि प्रति वर्ष 16 मई को %राष्ट्रीय डेंगू दिवस% के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2024 में राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम कनेक्ट विथ कम्यूनिटी कंट्रोल डेंगू रखी गई है। जिले में वर्ष 2021 में कुल 241 डेंगू पॉजिटिव केस थे। विभाग के प्रयास एवं जनसमुदाय के सहयोग से डेंगू केसेस में लगातार कमी आ रही है और वर्ष 2023 में कुल डेंगू केसेस घटकर 26 हो गये हैं। जनवरी 2024 से 15 मई 2024 तक कुल 6 डेंगू केसेस पाये गये हैं।

**डेंगू क्या है-** डेंगू बुखार डेन नामक वायरस से होता है और यह एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। संक्रमित एडीज मच्छर के काटने के 3 से 5 दिन के बाद डेंगू के लक्षण प्रकट होते हैं।

**डेंगू के लक्षण-** डेंगू के सामान्य लक्षण- सिर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, तेज बुखार, शरीर में चकत्ते या रेशेस, भूख में कमी।

**डेंगू के गंभीर लक्षण-** नाक मसूड़े से खून निकलना, उल्टी व मल के साथ खून आना, पेट में तेज दर्द होना, पेशाब कम होना एवं प्लेटलेट्स की संख्या 40 हजार से कम होना।

**डेंगू की जांच-** जिला चिकित्सालय एवं छिंदवाडा इंस्टिट्युट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एलाइजा द्वारा निःशुल्क जांच उपलब्ध है।

**डेंगू का उपचार-** डेंगू का कोई विशिष्ट एंटी वायरल उपचार तथा टीका उपलब्ध नहीं है। चिकित्सक की सलाह से ही बुखार कम करने के लिये पैरासिटामॉल का सेवन करना चाहिये तथा एसपिरिन अथवा दर्द निवारक गोली का सेवन नहीं करना चाहिये।

डेंगू वाहक- डेंगू वायरस मुख्यतः संक्रमित एडीज एजिप्टी तथा एडीज एल्बोपिकट्स मच्छर के काटने से स्वस्थ्य मनुष्य में फैलता है। यह मच्छर रूके हुए साफ पानी में पैदा होता है।

**घरेलु मच्छर व पनपने वाले स्थान-** यह मच्छर मनुष्य द्वारा निर्मित पानी के कंटेनर जैसे- ओवरहेड टैंक, सिंटेक टैंक, प्लास्टिक ड्रम, सीमेंट टैंक, धातु के बने ड्रम, फूलदान, बर्डबाथ, मनीप्लांट पात्र आदि में साफ जमा पानी में प्रजनन करता है।

डे बाइटर- यह मच्छर दिन में ही काटता है, एक दिन में 7 से 9 व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है।

**अण्डे-** यह अपने अण्डे सीधे जल सतह पर न देकर स्त्रोत के किनारे पर देते हैं। अण्डे चिपचिपे होते है। शुष्क अवस्था में अण्डे डेढ़ वर्ष तक जीवित रह सकते हैं।

उड़ान क्षमता- यह 400 मी. तक उड़कर जा सकते हैं।

मच्छर के काटने से बचाव के उपाय- सोते समय हमेशा मच्छरदानी लगाकर मच्छरदानी के अंदर सोना चाहिए। पूरी आस्तीन के या पूरे शरीर ढंकने वाले कपड़े पहनना चाहिए। शाम के समय दरवाजे, खिड़कियों को बंद करके रखना चाहिए ।

## लघु रूप में मनाई केवट जयंती

**विदिशा।** विदिशा के रैकवार समाज द्वारा केवट जयंती के मौके पर बेतवा नदी के तट पर स्थित भगवान केवट के मंदिर पर पहुंचकर उनकी पूजा अर्चना की गई। वहीं समाज की पदाधिकारी संजीता रैकवार ने बताया कि इस आयोजन को बड़े रूप से मनाए जाने की तैयारी की गई थी, लेकिन रैकवार समाज की एक बेटी के साथ सागर में दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई है।

## आरना श्रीवास्तव का सुयश

सांध्य प्रकाश, विदिशा। हाल ही में आए सीबीएससी परीक्षा परिणाम में वात्सल्य स्कूल की छात्रा आरना श्रीवास्तव ने 10वीं में 89.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। आरना की इस सफलता पर स्कूल प्रबंधन और परिजन ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है। अभिलाष श्रीवास्तव की पुत्री आरना ने अपनी सफलता के बारे में बताया कि पढ़ाई पर फोकस करने के लिए इन्होंने रोजाना टीवी और मोबाइल का उपयोग कम से कम किया। वहीं स्कूल, कोचिंग एवं सेल्फ स्टडी के बीच में सामंजस्य बैठाकर अपनी तैयारी की। आरना का सपना है कि भविष्य में वह डॉक्टर बनकर पीड़ित मरीजों की सेवा करना चाहती हैं।

## बंसल पर एडीएम के आदेश के बाद कलेक्टर की 20 करोड़ की रेत भंडारण पर छापा

### 18 घंटे की कार्यवाही में 31 डंपर 9 पोकलेंड मशीन जप्त

बैतूल । कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी अब लगातार एक्शन मोड में पहले बंसल कंस्ट्रक्शन कंपनी ग्रुप के विरुद्ध एडीएम जयप्रकाश सैयाम ने 21 करोड़ 53 लाख 43 हजार 600 रूपये का अर्थ दंड के आदेश जारी किया। जिसकी सुर्खियों के बाद आज कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने 20 करोड़ की अवैध रेत जप्ती की बड़ी कार्यवाही की है। शाहपुर भौरा में रात्रि 9:30 बजे बैतूल कलेक्टर श्री सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल झारीया ने शाहपुर-आमला एसडीएम, तहसीलदार एवं खनिज अधिकारीयों व शाहपुर एवं चोपना थाने के पुलिस बल के साथ संयुक्त टीम बनाकर रेत माफिया के कई ठिकानों पर पहुंचकर छापा मार कार्यवाही को अंजाम दिया। 18 घंटे तक चली इस छापेमार कार्यवाही में 20 करोड़ रुपयों की रेत, 31 डंपर,1 जेसीबी मशीन, 8 पोकलेन मशीन जप्त की गई है। श्री सूर्यवंशी ने बताया कि निरंतर अवैध रेट उत्खनन की शिकायतें प्राप्त होने पर कार्यवाही की गई है। जिसमें शाहपुर तहसील के अंतर्गत ग्राम डेंडूपूरा, पासईमाल, चिमड़ी ओर गुवाड़ी मे छापे मार करवाई में अवैध रेत का उत्खनन करने वाले दीपेश पटेल,रविंद्र चौहान, प्रदीप दुबे एवं अन्य के विरोध प्रकरण दर्ज किया गया है। जबकि ग्राम गुवाड़ी खसरा नं. 230/2 रकबा 2.040 हे. रेत खनिज भंडारण के लिये जिले के रेत ठेकेदार मेसर्स परम डिस्ट्रीब्यूटर्स परम फिलिंग स्टेशन 103/2 जी छोला रोड़ भोपाल को स्वीकृत हैं। जिसका मौका निरीक्षण किए जाने पर डंप रेत 137310 घन मीटर पाई गई जो की स्वीकृत क्षेत्र से 3172 घन मीटर अधिक मिली तथा स्वीकृत भंडारण क्षेत्र के आसपास कहीं स्थानों पर अवैध रेत के गड्ढे एवं भंडारण पाए गए। वही छापेमार कार्रवाई के समय भंडारण अनुज्ञप्तिधारी के कोई भी व्यक्ति /प्रतिनिधि उपस्थित नहीं थे। मौके पर उपलब्ध रेत मात्रा को लावारिस जप्त कर सुरक्षा की दृष्टि से ग्राम रोजगार सहायक एवं प्रभारी सचिव अशोक बारस्कर को सुपुर्दगी में दी गई है। वही ग्राम डेंडूपूरा मे मौका खसरा क्र. 7/2 मे 700 घन मीटर अवैध रेत एवं जप्त की गई। एक पीले रंग की जेसीबी मशीन को ग्राम पसाईमाल के कोटवार किस किस कारण दिया गया । अब 20 करोड रुपए के अवैध रेत मामले की कार्यवाही से अवैध रेत- कोयला का कारोबार करने वाले माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

**परेशानी** *एकमात्र मुक्तिधाम में टीन शेड न होने से अंतिम संस्कार के बाद जलती चिता को न बुझा दे बरसात का पानी इस डर से भयभीत रहते हैं परिजन*

# मोक्ष की कामना से पहले अंतिम संस्कार की चिंता

**सांध्य प्रकाश, विदिशा।** विदिशा में बीते दिवस अचानक आई बारिश से मुक्तिधाम पर टीन शेड न होने के कारण जलती चिताओं के बुझने और पार्थिव शरीरों के अधजली स्थिति में रह जाने के बाद इस हृदय बिदारक घटना ने शहर के कुछ पत्रकारों और समाजसेवियों को द्रवित किया है। इसी के चलते मुक्तिधाम पर टीन शेड जल्दी लगाने की न सिर्फ मांग उठ रही है बल्कि सामूहिक रूप से अथवा व्यक्तिगत रूप से इस कार्य को करने कुछ लोग सामने आए हैं। कलेक्टर विदिशा बुद्धेश कुमार वैद्य भी इस मामले को लेकर सक्रिय हुए हैं और उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को शीघ्र अति शीघ्र टीन शेड निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए हैं, हालांकि इनके निर्देश पर अभी अमल नहीं हो पाया है और काम अभी भी शुरू नहीं हो पाया है। विदिशा नगर पालिका सीएमओ सुधीर शर्मा से इसी सम्बन्ध में दो बार मोबाइल पर बात करना चाही गई लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया है, लेकिन निजी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी स्थिति यह है कि यह टीन शेड निर्माण का कार्य ठेकेदार अजय यादव को दिया गया था और यह टेंडर 10 लाख रूपए का हुआ था। जिसमें 7 लाख रूपए की लागत से कंडा और लकड़ियां रखने का कमरा बनाना था और शेष राशि से टीन शेड का निर्माण होना था।

इसका वर्क ऑर्डर लगभग चार माह पहले

जारी हुआ था। नगर पालिका द्वारा 15 लाख रूपए का भुगतान उक्त ठेकेदार को किया गया था ताकि वह इस कार्य को जल्द पूरा करे, लेकिन सूत्र बताते हैं कि ठेकेदार अजय यादव का करीब एक करोड़ रूपए का भुगतान नगर पालिका में अभी रूका हुआ है। जिसमें सिर्फ 15 लाख रूपए ही भुगतान किया गया है।

इन्हीं सब गतिविधियों के चलते इस गंभीर समाधान का अभी तक कोई हल नहीं निकल सका है और खुले आसमान के नीचे प्रतिदिन अंतिम संस्कार होने का क्रम जारी है। अब आज-कल अंतिम संस्कार करते समय परिजन मृतक के मोक्ष की प्रार्थना के साथ-साथ यह भी प्रार्थना कर रहे हैं कि कहीं बारिश न आ जाए नहीं तो अंतिम संस्कार अधूरा रह जावेगा।

### जनप्रतिनिधि मौन हैं

मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी शहर की इस समस्या को लेकर अभी जनप्रतिनिधि मौन साधे हुए हैं और किसी भी जिम्मेदार जन प्रतिनिधि का इस संबंध में कोई बयान अभी सामने नहीं आया है, हालांकि यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि विदिशा का मुक्तिधाम बीते कई वर्षों से बदहाली का शिकार है, यहां अंतिम संस्कार में उपयोग आने वाली लकड़ियां बीते कई वर्षों से खुले में पड़ी हैं और बारिश के समय गली लकड़ियों से चिता सजाकर अंतिम संस्कार करना बेहद कष्टदायक होता है, लेकिन इसे लेकर किसी भी पार्टी के जन प्रतिनिधियों ने आज तक कोई सार्थक पहल नहीं की है।

### पत्रकारों ने जताई टीन शेड बनवाने की मंशा

विदिशा प्रेस क्लब संघ के सदस्यों ने कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य से भेंटकर मुक्तिधाम पर टीन शेड न होने से आ रही समस्या बताते हुए कहा कि बारिश का समय नजदीक है, ऐसे में मुक्तिधाम में टीन शेड नहीं होना विदिशा को शर्मसार करता है। पत्रकारों ने कहा कि यदि प्रशासन अनुमति दे तो मुक्तिधाम पर टीन शेड शहर के पत्रकार मिलकर कराने तैयार हैं। इस दौरान प्रेस क्लब संघ के अध्यक्ष सचिन तिवारी, सचिव जितेंद्र सिंह राजपूत, कमल रैकवार, राकेश मीणा, शकील अहमद, राहुल चिड़ार, राजा चिढ़ार, दीपक नामदेव, सोनू नामदेव, कोमल सेन, शाहिद अहमद, सीताराम मालवीय, जितेन्द्र शर्मा सहित अन्य पत्रकार साथी मौजूद थे।

### तीन दिन में लगवा दूंगा टीन शेड

वेत्रवती तट स्थित मुक्तिधाम पर चल रहे टीन शेड निर्माण में विलंब और ठेकेदार व नगर पालिका के बीच की टशन पर शहर के व्यवसायी एवं बिल्डर नितिन माहेश्वरी (लाला) ने कहा कि मेरी दिवंगत मां की याद में मुक्तिधाम में टीन शेड निर्माण करना चाहता था, लेकिन नगर पालिका के टेंडर जारी होने से मैं निर्माण कार्य नहीं करा सका। नगर पालिका प्रशासन यदि अनुमति दे तो तुरंत काम शुरू करवा के शीघ्र अति शीघ्र मुक्तिधाम में टीन शेड निर्माण करा दूंगा।

### शहरवासिओं से सहयोग लेकर लगवा दूंगा

मुक्तिधाम पर साफ सफाई की सेवा करने वाले अंगद सेना के प्रमुख समाजसेवी संजय प्रजापति ने कहा कि यदि नगर पालिका प्रशासन अनुमति दे तो शहर के समाजसेवियों से आर्थिक सहयोग लेकर मैं मुक्तिधाम पर अतिशीघ्र टीन शेड लगवाने का कार्य पूर्ण करा सकता हूं, क्योंकि विदिशा शहर समाजसेवियों का शहर है।

### प्रशासन की जिम्मेदारी है

मुक्तिधाम सेवा समिति के सचिव मनोज पांडे का कहना है कि पूरे मुक्तिधाम को व्यवस्थित करने मेरे द्वारा काफी दिन पहले प्रपोजल प्रशासन को दिया जा चुका है लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है, अब यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह इस कार्य को पूरा करें।

## स्वाध्याय का फल निर्णय होता है: सुमतप्रकाश

### वीतराग भवन में सिखाई जा रही जीवन जीने के साथ समाधि की कला

छिंदवाड़ा। स्वावलंबन ( सम्यग्दर्शन ) की प्रतिज्ञा होती है और परावलंबन ( अणुव्रत ) के नियम होते हैं, संक्लेश के त्याग की प्रतिज्ञा ही वास्तविक प्रतिज्ञा होती हैं, शुभ उपयोग की प्रतिज्ञाएं अशुभ उपयोग से बचने के लिए की जाती हैं यह सुंदर व्याख्यान वीतराग भवन में चल रहे समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन में कही बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जी जैन ने। मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के अनुनय पर छिंदवाड़ा पधारे जैनदर्शन के प्रकांड विद्वान बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी द्वारा बहुत ही सरल एवं हृदय स्पर्शी शैली में सकल जैन समाज को समाधि का सच्चा स्वरूप समझाया जा रहा हैं उन्होंने कहा कि निर्यापक अपने क्षपक को भगवान देखते हैं और भगवान बनाने के लिए दोषों का प्रतिक्रमण करते हैं, निर्यापक को क्षपक मेरे अनुसार चले ऐसी अपेक्षा या हठाग्रह नहीं होना चाहिए, प्रतिक्रमण में अपने दोष बताने पर निर्यापक घृणा नहीं करते हैं। जो ज्ञेयों से आक्रांत हो जाए या आक्रांत करें वह निर्यापक नहीं होता। समाधि के साधके आत्मार्थीयों को मोबाइल के अनर्थ दंड का त्याग करना चाहिए। समाधि एकांत की क्रिया है इसलिए निर्यापक क्षपक को विश्व से गुप्त रखते है, निर्यापक निर्मल पर्याय होने पर भी अहंकार से बचाता है और खोटी पर्याय होने पर भी ग्लानि से बचाता है, समाधि के दो रूप होते हैं एक स्वावलंबन और एक परावलम्बन श्रमण अर्थात मुनिराज स्वावलंबन का अभ्यास करते हैं और श्रावक परावलंबन पूर्वक स्वावलंबन की ओर बढ़ते हैं श्रावकों को इसमें महान पुरुषार्थ करना पड़ता है, स्वावलंबन का उपाय सामायिक और कायोत्सर्ग है।

### कांग्रेस की प्रदेश टीम बनाने की कवायद शुरू

# पीसीसी की टीम में 50 से कम वालों को मिलेगी जगह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोकसभा चुनाव के बाद अब जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस की मुख्य कार्यकारिणी के साथ ही अब फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन और विभागों, प्रकोष्ठों में बदलाव करेंगे। पटवारी पीसीसी की नई टीम में 50 साल से कम उम्र के कार्यकर्ताओं को मौका देंगे। इनमें कुछ नौजवान विधायकों को भी शामिल किया जा सकता है।

जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। पीसीसी चीफ बनने के 4 महीने बीतने के बाद भी पटवारी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी नहीं बना पाए। लोकसभा चुनाव भी पटवारी ने बिना टीम के ही लड़ा। मध्यप्रदेश की 29 सीटों पर लोकसभा चुनाव का मतदान होने के बाद पटवारी ने अब संगठन को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद वोटर्स, कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देने के साथ ही पटवारी ने कहा कि अब कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। बुधवार को जीतू पटवारी ने कहा- तीन महीने पहले इतनी बड़ी हार के बाद कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाई। अब आश्चर्यचकित करने वाले परिणाम आएंगे। मैं ये मानता हूं कि यदि डबल डिजिट में यहां की लोकसभा सीटें आएं तो बहुत आश्चर्य मत समझना। हम विपक्ष में हैं, चुनाव आए हमने चुनाव की प्रोसेस पूरी की। अब संगठन को मजबूत कर आइडियोलॉजी पर काम करना हमारा दायित्व है। हम तीन-चार चुनाव हारे हैं। इसका हम सारा दोष बीजेपी को नहीं दे सकते। हमारी भी कमियां हैं उनमें सुधार करना है। मैं मानता हूं कि उस पर काम चालू है। जल्दी अच्छे-अच्छे परिणाम कांग्रेस के साथियों को मिलेंगे।

#### यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति

पिछले महीने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से डॉ. विक्रांत भूरिया ने इस्तीफा दे दिया था। विक्रांत ने पिता कांतिलाल भूरिया के चुनाव प्रचार में समय देने का हवाला देते हुए युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ग्वालियर के मितेंद्र सिंह यादव को युवा कांग्रेस को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। 9 अप्रैल को प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही मितेंद्र ने प्रदेश भर में चुनावी दौरे शुरू कर दिए थे।

#### महिला कांग्रेस सहित पूरी कांग्रेस में होगा बदलाव

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पीसीसी के टीम के साथ ही महिला कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, एससी कांग्रेस, एसटी कांग्रेस और सभी विभागों, प्रकोष्ठों में नई नियुक्तियां होंगी।

प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा ने बिहार के सीतामढ़ी जिले में स्थित जगतजननी मां जानकी (सीताजी) के प्राकट्य स्थल पुनौराधाम में तुलसीपीठाधीश्वर परम पूज्य जगतगुरु रामभद्राचार्य जी की रामकथा में भाग लिया। उन्होंने यहां कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

## जल संसाधन विभाग: प्रमुख अभियंता की गलत पदस्थापना का मामला राज्यपाल के पास पहुंचा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जल संसाधन विभाग में प्रमुख अभियंता की गलत पदस्थापना का मामला राज्यपाल के पास पहुंच गया है। मध्यप्रदेश शासकीय अधिकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर उक्त नियुक्ति को निरस्त करने और उच्च स्तरीय जांच का अनुरोध किया है। इस मामले में उच्च न्यायालय ने भी सरकार को नोटिस दिया है और नियुक्ति को अवैध बताया है।

विभाग प्रमुख के पद पर वरिष्ठ स्थायी अधीक्षण इंजीनियरों को कार्यभार नहीं सौंपे जाने की खबर है, जबकि विभाग में इस पद के लिए योग्य लगभग 10 अधीक्षण यंत्री स्थायी रूप से कार्यरत हैं, जिनकी सेवा 12 वर्ष से अधिक हो चुकी है। इसके अलावा, तकनीकी सचिव एवं प्रमुख अभियंता जल संसाधन के साथ-साथ नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में मेम्बर इंजीनियर के पद भी वरिष्ठ अधिकारियों/इंजीनियरों को नहीं सौंपे गए हैं।

सेवा निवृत्त अधीक्षण यंत्रियों को संविदा पर रखकर प्रमुख अभियंता के पद का प्रभार दिए जाने की नियम विरुद्ध प्रक्रिया पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। विशेष रूप से, जनजाति वर्ग के अधीक्षण यंत्रियों के साथ कथित रूप से सौतेला व्यवहार किए जाने की चर्चा है। इस विसंगति को दूर करने की मांग की जा रही है, जिससे नियमानुसार जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में वरिष्ठ स्थायी अधीक्षण इंजीनियरों को तकनीकी सचिव का प्रभार सौंपा जा सके।

# इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर ट्रक में घुसी कार, 8 की मौत

**इंदौर/धार।** इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर बेटमा के पास बुधवार रात करीब 10.30 बजे सड़क हादसा हो गया। फोरलेन पर दौड़ रही कार खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे में कार सवार एक महिला सहित 8 लोगों की मौत हो गई। गुरुवार सुबह सभी शवों को जिला अस्पताल इंदौर लाया गया। यहां पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दुर्घटना में मृत लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया है।

पुलिस के मुताबिक, कार सवार आलीराजपुर के बोरी गांव में शादी निपटाकर लौट रहे थे। उन्हें गुना में अपने गृह ग्राम जाना था। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। पुलिस, प्रशासन की टीमें और एंबुलेंस बाद में पहुंचीं। एएसपी इंदौर रूपेश द्विवेदी ने बताया कि कुल 9 लोग वाहन में थे। आठ की मौत हो गई जबकि एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि मृतकों में एक पुलिस जवान भी शामिल है। वह ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में पदस्थ था।

**कार को काटकर निकालने पड़े शव:** बुरी तरह क्षतिग्रस्त गाड़ी को जगह-जगह से काटकर शवों को निकाला गया। सभी मृतक गुना जिले के ही हैं। एएसपी द्विवेदी के मुताबिक, राहगीरों ने क्षतिग्रस्त गाड़ी को देखा तो पुलिस को खबर दी। गाड़ी में से कुछ लोगों के कराहने की आवाज आ रही थी लेकिन जब उन्हें निकाला गया, तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। हादसे में इन 8 लोगों की गई जान-आरक्षक कमलेश पिता धन सिंह अलावा, उम्र 34 वर्ष, निवासी विशवाडा जिला गुना, धन सिंह पिता गंभीर सिंह अलावा, उम्र 70 वर्ष, निवासी विशवाडा जिला गुना, रतन सिंह पिता नानका सिंह भिलाला, उम्र 70 वर्ष, निवासी डोंगरी सिरसी जिला गुना, नर्मदी बाई पति गणपत डोडवे, उम्र 35 वर्ष, निवासी डोंगरी जिला गुना, अंतिम पिता राम सिंह अलावा, उम्र 35 वर्ष, निवासी डोंगरी जिला गुना, तेर सिंह पिता नानका सिंह भिलाला, उम्र 50 वर्ष, निवासी डोंगरी सिरसी जिला गुना, बृजेश पिता गणपत सिंह डोडवे, उम्र 18 वर्ष, निवासी डोगरी जिला गुना, ननका सिंह भिलाला, उम्र 70 वर्ष, निवासी डोंगरी जिला गुना।

**4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता:** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की बात कही है। उन्होंने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि जिला प्रशासन को घायल के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

# चार धाम यात्रा पर गए प्रदेश के तीन श्रद्धालुओं को आया हार्ट अटैक

### सीएम सहायता कोष से दिए जाएंगे चार लाख

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा के दौरान मप्र के दो नागरिकों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। रामगोपाल रावत पुत्र स्व0 विश्वनाथ रावत, सागर की 10 मई को हार्ट अटैक से एवं सम्ती बाई पत्नी मोहन लाल, तहसील सिंगोली पोस्ट डावडा की 11 मई को अचानक बेहोश होने के कारण यमुनोत्री धाम में मृत्यु हो गई है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा उपरोक्त मृतकों के परिवार को अंतरिम सहायता राशि चार लाख मुख्यमंत्री सहायता कोष से देने की घोषणा की गई है। चार धाम यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश के नागरिकों में किसी के साथ किसी भी प्रकार की दुर्घटना कृत होने पर सहायता के लिए हेल्प लाईन नम्बर 011-26772005 मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली एवं 0755-2708055, 0755-2708059 वल्लभ भवन पर संपर्क किया जा सकता है।

गुफा मंदिर में आज आर्यावर्त षड्दर्शन साधु मंडल के राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

## प्रदेश में आंधी, बारिश-ओले का सिस्टम कमजोर पड़ा, ग्वालियर-चंबल में चलेंगी गर्म हवाएं

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में पिछले एक सप्ताह से एक्टिव आंधी, बारिश और ओले का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब कमजोर हो गया। गुरुवार से ही प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में इसका असर देखने को मिलेगा। 19 मई तक ग्वालियर-चंबल में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चलेंगी। हालांकि, दक्षिणी जिले खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में अगले 2 दिन तक हल्की बारिश होगी और बादल भी रहेंगे। इससे पहले बुधवार को रतलाम में बारिश हुई। वहीं, मंडला, सिवनी, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, अनूपपुर, मंदसौर, उज्जैन, पचमढ़ी, बड़वानी, धार, बुरहानपुर, बालाघाट, शहडोल, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ और इंदौर जिलों में मौसम बदला रहा। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि पिछले कुछ दिन से वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से बारिश, ओले और आंधी वाला मौसम है। अभी भी इनकी एक्टिविटी है। हालांकि, गुरुवार से असर कम होने लगेगा। सिस्टम कमजोर होने से उत्तर हिस्से में हीट वेव चलेगी। 17, 18 और 19 मई के लिए भी हीट वेव चलेगी। कुछ जगहों पर बादल भी बने रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार 16 मई को भिंड-दतिया में हीट वेव चलेगी। वहीं, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। 17 मई को भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह में गर्म हवाएं चलेंगी, जबकि बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बादल रहेंगे। 18 मई को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर कलां, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और दमोह में हीट वेव का असर बना रहेगा।

### मध्य प्रदेश में महंगाई भत्ते की मांग: कर्मचारी मंच ने मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

**भोपाल।** मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने राज्य सरकार के चार प्रतिशत महंगाई भत्ते की घोषणा न करने पर अपनी निराशा व्यक्त की है। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 7.5 लाख कर्मचारियों को प्रतिमाह 150 करोड़ रुपए के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। मंच ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि सरकार 15 दिनों के भीतर महंगाई भत्ते का निर्णय ले। यदि सरकार आदेश जारी नहीं करती है, तो जून में मंच भोपाल में एक विशाल ध्यान आकर्षण धरना आयोजित करेगा।प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले ही कर्मचारियों को 700 करोड़ रुपए के महंगाई भत्ते का लाभ न देकर नुकसान पहुंचा चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 3 सालों में समय पर महंगाई भत्ता न देने से कर्मचारियों को 9200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

### Naresh Mohan passed away

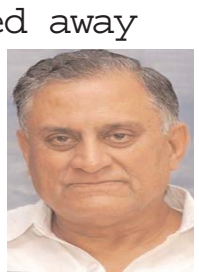

Distinguished media leader and former member of The Tribune Trust Naresh Mohan passed away at a local hospital on Thursday morning. He was 82.Admitted to the hospital a few days ago, Mohan was in the intensive care unit and suffered multi-organ failure leading to his demise.His last rites will be held at the Lodhi crematorium at 2 pm on Thursday the 16th May 2024.Naresh Mohan served as executive president at Hindustan Times, president of the Indian Newspaper Society, Chairman at United News of India and a member of the Press Council of India.

Sunil Dang
Former Member Press Council of India

# एडीजी वरुण कपूर, उपेंद्र जैन, आलोक रंजन और प्रज्ञा रिचा इसी साल डीजी रैंक में होंगे पदोन्नत

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के 4 एडीजी स्तर के आईपीएस अफसर एक-एक महीने के अंतराल पर पदोन्नत होकर डीजी बनेंगे। चारों ही अफसर वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अफसर हैं।

प्राप्त जानकारी अनुसार मई, जून, जुलाई और अगस्त में डीजी रैंक के चार अफसर रिटायर हो रहे हैं। जैसे-जैसे ये अफसर रिटायर होंगे वैसे वैसे 1991 बैच के इन अफसरों को डीजी स्केल मे पदोन्नति मिल जाएगी।

इंदौर में आरएपीटीसी में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वरुण कपूर अगले महीने पदोन्नत होने जा रहे हैं। वे एक जून को स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत होंगे। उनके एक महीने बाद एक जुलाई को उपेंद्र जैन भी स्पेशल डीजी बनेंगे। जैन अभी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी के पद पर पदस्थ हैं। दोनों ही अफसर वर्ष 1991 बैच के आईपीएस हैं। वहीं एक अगस्त को आलोक रंजन भी पदोन्नत होकर डीजी बनेंगे। वे अभी पुलिस मुख्यालय की प्रबंध शाखा में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदस्थ हैं। वहीं महिला सुरक्षा की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव एक सितम्बर को पदोन्नत होकर डीजी बनेंगी।

दरअसल 31 मई को स्पेशल डीजी अनुराधा शंकर सिंह रिटायर हो रही है। वहीं स्पेशल डीजी शिकायत अशोक अवस्थी 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। ये दोनों ही अफसर वर्ष 1990 बैच के आईपीएस अफसर हैं। इन दोनों अफसरों के बाद संजय कुमार झा 31 जुलाई को रिटायर होंगे। वहीं 31 अगस्त को सुषमा सिंह रिटायर होंगी। संजय कुमार झा और सुषमा सिंह वर्ष 1989 बैच के आईपीएस अफसर हैं।

**प्रदेश में हैं डीजी रैंक के 12 पद**

मध्य प्रदेश में डीजी रैंक के 12 पद स्वीकृत हैं। इसमें से पांच पद कॉडर के हैं, जबकि पांच पद एक्स कॉडर के हैं। कॉडर के पांच पदों में डीजीपी के अलावा डीजी पुलिस प्रशिक्षण, डीजी होमगार्ड, डीजी जेल और डीजी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का पद है। इसके बाद पांच एक्स कॉडर के पद पर प्रदेश सरकार अपने अनुसार इन अफसरों को स्पेशल डीजी के तौर पर पदस्थ कर देगी है। प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों की संख्या ज्यादा होने के चलते पिछले कुछ वर्षों से दो पद प्रदेश सरकार ने डीजी के लिए स्वीकृत किए हैं। हालांकि बीच में करीब आठ महीने तक इन पदों को स्वीकृति नहीं मिली थी, लेकिन बाद में यह स्वीकृति मिल गई थी। प्रदेश सरकार द्वारा दो अतिरिक्त पद स्वीकृत करने से अब यहां पर 12 अफसर डीजी के पद पर पदस्थ रहते हैं।

# बजट तैयारी: प्रशासकीय स्वीकृति के साथ बजट प्रस्ताव भेजने होंगे वित्त विभाग को

भोपाल। प्रदेश के शासकीय विभागों को जो भी नई योजना शुरू करनी है, उसके लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति के साथ वित्त विभाग को भेजना होगा। जुलाई में विधानसभा में पेश किए जाने वाले बजट की तैयारियों में जुटे वित्त विभाग ने कहा है कि इस बार भी जेंडर बजट, चाइल्ड बजट और कृषि बजट वित्त मंत्री अलग से बताएंगे। बजट के लिए बीस मई तक प्रस्ताव भेजने की तारीख तय की गई है।

वित्त विभाग की बजट तैयारियों को लेकर जारी निर्देश में कहा है कि इन योजनाओं के लिए बजट सीलिंग के अंतर्गत बजट तय किए जाएंगे। नई योजनाएं वित्त विभाग के स्तर पर ही खोली जाएंगी। भारत सरकार की नई योजनाओं के लिए केंद्र के बजट में प्रावधान होने पर ही राज्य के बजट में ऐसी नई योजना का प्रावधान किया जाएगा।जिन योजनाओं में कंटीन्यूटी की जरूरत नहीं होगी, उसमें बजट प्रस्ताव नहीं दिए जाएंगे। एक समान योजनाएं होने की स्थिति में ऐसी योजनाओं के संविलियन का प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को भेजना होगा। यह निर्देश भी दिए हैं कि पिछले वित्त वर्ष में जिन योजनाओं के प्रावधान किए गए हैं, उन सभी योजनाओं के प्रस्ताव विभाग वर्ष 2024-25 के बजट के लिए भेजेंगे और जिनमें बजट की जरूरत नहीं है, उसमें शून्य बजट की जानकारी दी जाएगी।

वाणिज्यिक कर, ऊर्जा, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग के साथ एमएसएमई, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा तथा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, राजस्व और लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा नियमों के आधार पर पिछले दो सालों से अगर कहीं छूट दी जा रही है और इससे विभाग के राजस्व पर प्रभाव पड़ रहा है तो इसकी जानकारी भी वित्त विभाग को ऐसे विभागों की ओर से देना होगी।

### ओम शांति शांति शांति

सजावट टेंट हाउस बिजली भवन न्यू मार्केट के स्वामी श्री अग्रवाल जी का निधन हो गया है और उनकी अंत्येष्टि आज 12 बजे विश्राम घाट में की जाएगी उनके न्यूज़ निवास निवेश नगर 6 से व यात्रा प्रारंभ होगी भगवान उनके परिवार को इस भरी दुख को वहन करने की शक्ति प्रदान करें

**वृक्षमित्र सुनील दुबे**